बर्षः- 05
अंकः- 303
मुरादाबाद
(Wednesday)
25 February 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक
प्रातः कालीन
क्यूँ न लिखूँ सच
मुरादाबाद से प्रकाशित

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

स्वास्थ्य सेवाएं देते समय अपनी जिम्मेदारी निभाएं, राष्ट्रपति मुर्मू का निजी अस्पतालों को संदेश

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दो दिवसीय महाराष्ट्र दौरे पर हैं। आज मुंबई में उन्होंने पीडी हिंदुजा अस्पताल की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं और निजी अस्पतालों की जिम्मेदारियों पर कहा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को कहा कि सभी के लिए सस्ती और विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना हम सबका लक्ष्य होना चाहिए। मुर्मू मुंबई के लोक भवन में पीडी हिंदुजा अस्पताल की ओर से आयोजित सेविंग लाइव्स एंड बिल्डिंग अ हेल्दीयर भारत% अभियान की शुभारंभ के अवसर पर संबोधित कर रही थीं।सेवा देते समय सामाजिक जिम्मेदारी का भी ध्यान रखें उन्होंने कहा कि उन्हें भरोसा है कि भारत वैश्विक स्वास्थ्य सेवा केंद्र के रूप में प्रतिष्ठा हासिल करेगा। राष्ट्रपति ने निजी अस्पतालों और चिकित्सा संस्थानों से कहा कि वे स्वास्थ्य सेवाएं देते समय अपनी सामाजिक जिम्मेदारी का भी ध्यान रखें। चिकित्सा क्षेत्र में अहम भूमिका निभा रही तकनीक और एआई- उन्होंने कहा, स्वस्थ भारत के निर्माण में सरकार के साथ-साथ अन्य सभी हितधारकों की भी भूमिका अहम है। गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा जन-जन तक पहुंचे इसके लिए सब को मिलकर प्रयास करना है। राष्ट्रपति ने कहा कि तकनीक और एआई अन्य क्षेत्रों की तरह चिकित्सा के क्षेत्र में भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। चिकित्सा के हर क्षेत्र में इनका प्रयोग किया जा रहा है। आने वाले समय में इनकी भूमिका और भी बढ़ने वाली है। स्वस्थ भारत के निर्माण में सरकार के साथ-साथ अन्य सभी हितधारकों की भी भूमिका महत्वपूर्ण है। गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा जन-जन तक पहुंचे इसके लिए सब को मिलकर प्रयास करना है।किफायती चिकित्सा प्रदान करना बेहद जरूरी- उन्होंने आगे कहा, दवा और उपकरण का देश में ही निर्माण देशवासियों को किफायती चिकित्सा प्रदान करने के लिए बेहद जरूरी है। मेक इन इंडिया और पीएलआई जैसी पहल इस दिशा में सहायक सिद्ध हो रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित करने लक्ष्य के साथ हम आगे बढ़ रहे हैं। इस लक्ष्य की प्राप्ति में नागरिकों का स्वस्थ होना एक बुनियादी जरूरत है। सभी देशवासी स्वस्थ रहेंगे, जब उन्हें गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं समय पर उपलब्ध होंगी।हवाई अड्डे पर राष्ट्रपति का किसने किया स्वागत?- राष्ट्रपति मुर्मू आज दोपहर महाराष्ट्र के दो दिवसीय दौरे पर मुंबई पहुंचीं। छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर राज्यपाल आचार्य देवव्रत, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और सुनेत्रा अजित पवार व महापौर ऋतु तावड़े ने उनका स्वागत किया।

संक्षिप्त समाचार

यूपी सरकार की सौगात: होली पर 28 फरवरी से नौ मार्च तक चलेंगी अतिरिक्त बसें

होली पर यात्रियों के आवागमन को देखते हुए यूपी सरकार ने 28 फरवरी से नौ मार्च तक अतिरिक्त बसों का संचालन करने का निर्णय लिया है। वहीं, उत्कृष्ट कर्मचारियों को 3600 से 4500 रुपये तक प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। योगी सरकार ने होली पर्व पर यात्रियों की सुगम और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए विशेष व्यवस्था की है। इसके तहत 28 फरवरी से नौ मार्च तक अतिरिक्त बसों का संचालन किया जाएगा । इसके साथ ही, उत्कृष्ट कर्मचारियों को 3600 से 4500 रुपये तक प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी।प्रदेश के परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने कहा कि दिल्ली एवं गाजियाबाद सहित पश्चिमी उत्तर प्रदेश से यात्रा का दबाव अधिक रहता है। इसलिए इन क्षेत्रों में बसों और कर्मचारियों की पर्याप्त संख्या पहले से सुनिश्चित की जाएगी। यदि प्रारंभिक प्वाइंट से 60 प्रतिशत यात्री लोड मिलता है तो प्रदेश के अन्य हिस्सों में भी अतिरिक्त बसें चलाई जाएंगी। उन्होंने निर्देश दिए कि शत-प्रतिशत निगम बसों को ऑनरोड रखा जाए और अनुबंधित बसों के कर्मियों को पर्व अवधि में अवकाश न दिया जाए। वाहन स्वामी समय से मरम्मत कार्य पूर्ण कर बसें संचालन हेतु उपलब्ध कराएं।सुरक्षा और गुणवत्ता पर विशेष जोर- योगी सरकार ने यात्रा के दौरान सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है।

लखनऊ में अंतरराष्ट्रीय शिक्षा मॉडल की पहल, सिंगापुर के स्कूल समूह को मिला निमंत्रण

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सिंगापुर के ग्लोबल इंडियन स्कूल्स समूह को लखनऊ में अपना शिक्षा मॉडल स्थापित करने के लिए आमंत्रित किया है।

उन्होंने शिक्षा में उत्कृष्टता और कौशल विकास को बढ़ावा देने पर जोर दिया।सिंगापुर स्थित ग्लोबल इंडियन स्कूल्स समूह को मुख्यमंत्री ने लखनऊ में अपना मॉडल स्थापित करने के लिए आमंत्रित किया। यात्रा के दौरान उन्होंने स्कूल की सराहना करते हुए इसे उत्कृष्टता और कौशल विकास पर आधारित संस्था बताया। साथ ही, भारतीय प्रवासी समुदाय को संबोधित करते हुए उन्होंने समूह से लखनऊ में शिक्षा मॉडल शुरू करने का अनुरोध किया।योगी ने इस बात को देखा और जीआईआईएस को इसी राह पर आगे बढ़ने और इस उत्कृष्टता को लखनऊ तक लाने के लिए प्रोत्साहित किया।

वैश्विक परिसरों वाले समूह की यूपी में रुचि- हम उनके निमंत्रण से अभिभूत हैं और निश्चित रूप से सही दिशा में कदम उठाएंगे,卐 यह बात ग्लोबल स्कूल्स ग्रुप के अध्यक्ष और सह-संस्थापक अतुल टेमुरनिकर ने कही, जो जीआईआईएस और प्रमुख एशियाई राजधानियों के साथ-साथ यूनाइटेड किंगडम में 64 अंतरराष्ट्रीय परिसरों का संचालन करने वाली संस्था है। तेमुरनिकर ने मंगलवार को पीटीआई को बताया, जीआईआईएस हमेशा से एक नवोन्मेषी संस्था रही है जहां छात्र केंद्र बिंदु होता है। हमारा लक्ष्य हर बच्चे को सर्वोत्तम शिक्षा प्रदान करना है, और उभरता हुआ उत्तर प्रदेश उस दिशा में हमारा अगला कदम हो सकता है।

इस समूह के 64 अंतरराष्ट्रीय परिसर हैं और इसने सोमवार शाम को अपने वन वर्ल्ड इंटरनेशनल स्कूल परिसर में भारतीय प्रवासी समुदाय के साथ संवाद और बातचीत के लिए मुख्यमंत्री आदित्यनाथ की मेजबानी की।उत्तर प्रदेश के निवेश और विकास पर सार्थक चर्चा- टेमुरनिकर ने कहा कि सिंगापुर में रहने वाले 1,500 भारतीयों की मेजबानी के बाद हुई इस बातचीत में राज्य के बढ़ते निवेश परिदृश्य पर सार्थक संवाद हुआ। उन्होंने कहा, उनके नेतृत्व में उत्तर प्रदेश का भविष्य उज्ज्वल है, जो राज्य के बुनियादी ढांचे, उद्योग और शासन पर मजबूत ध्यान केंद्रित करने से स्पष्ट है। यह वैश्विक सहयोग के लिए महत्वपूर्ण अवसर प्रस्तुत कर रहा है। टेमुरनिकर ने आगे कहा, आज शाम की (संवादात्मक बैठक) की सफलता भारत के आर्थिक विकास और दीर्घकालिक विकास में योगदान देने के लिए भारतीय प्रवासी समुदाय की बढ़ती रुचि को दर्शाती है।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद से मिले अजय राय, शकराचार्य बोले- शिकायतकर्ता और अधिकारी पहले से मिले हैं

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद से मिलने कांग्रेस नेता अजय राय उनके मठ पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने बातचीत की। वहीं शंकराचार्य ने कहा कि जांच करने वाले अधिकारी और शिकायतकर्ता पहले से मिले हुए हैं। वाराणसी जिले में केदार घाट पर स्थित विद्या मठ में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती से मिलने कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय मंगलवार को पहुंचे। इस दौरान स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि हमारे पास एक तस्वीर आई है, जिसमें शिकायतकर्ता और जांच करने वाले अधिकारी एक साथ केक काट रहे हैं और उत्सव मना रहे हैं। कहा कि तस्वीर को लेकर लोगों का कहना है कि शिकायतकर्ता और जांच करने वाले अधिकारी पहले से मिले हैं। ऐसे में ये गठजोड़ कैसे न्याय होने देगा। इसलिए इनसे न्याय की उम्मीद नहीं है, ऐसा लोग कह रहे हैं। कानून का दुरुपयोग हो रहा है। झूठ की उम्र ज्यादा नहीं होती है। एक न एक दिन झूठ का खुलासा होगा ही। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के मठ पहुंचने के सवाल पर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि वे काफी समय से मठ से जुड़े हुए हैं। जब गंगा जी का आंदोलन हमने कांग्रेस पार्टी के खिलाफ किया था, तब भी अजय राय पार्टी में रहते हुए भी हमारे आंदोलन के साथ थे। वे प्रयागराज में भी मिलने गए थे। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि सरकार सुनियोजित साजिश के तहत शंकराचार्य को बदनाम करने का प्रयास कर रही है। शंकराचार्य का अपमान पूरे सनातन धर्म का अपमान है। हम काशीवासी उनके साथ डटकर खड़े हैं। उनका अपमान हम सब किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेंगे। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद पर प्रयागराज माघ मेले में यौन शोषण के आरोप में वहां की पुलिस ने पॉस्को एक्ट में मुकदमा दर्ज किया है। मामले की जांच की जा रही है। इसी बीच श्री विद्या मठ पर शंकराचार्य से मुलाकात करने के लिए कई दिग्गज पहुंच रहे हैं। वहीं शंकराचार्य के गिरफ्तारी की चर्चा भी हो रही।

जेवर के दो प्रोजेक्ट पर 4458 करोड़ का निवेश, राहुल गांधी पर गंभीर आरोप, सात बिजली इंजीनियर नपे

हम हर रोज की तरह आज भी लाए हैं प्रदेश की प्रमुख बड़ी खबरें। प्रदेश में आरोप-प्रत्यारोप के बीच सियासी माहौल तो बना ही हुआ है साथ ही प्रदेश में बड़े निवेश की खबर भी चर्चा में है।

वहीं, एआई समिट में कांग्रेस के प्रदर्शन पर डिप्टी सीएम ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर गंभीर आरोप लगाए हैं।यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सिंगापुर के दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने कई कंपनियों के साथ प्रदेश में निवेश के लिए एमओयू साइन किए हैं। इसी तरह जेवर एयरपोर्ट के दो प्रोजेक्ट पर 4458 करोड़ के निवेश का करार हुआ है। वहीं, एआई समिट में कांग्रेस के प्रदर्शन को लेकर डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने राहुल गांधी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। वहीं, मनमानी के आरोप में सात बिजली इंजीनियरों को निलंबित किया गया है।सिंगापुर दौरे पर बड़ी सफलता- इन्वेस्ट यूपी व एससीई के बीच एमओयू, जेवर के दो प्रोजेक्ट पर 4458 करोड़ का निवेश

शाहजहांपुर के शख्स का बड़ा दावा; आशुतोष पांडेय ने कहा- अविमुक्तेश्वरानंद पर आरोप लगा दो, अच्छा रुपया देंगे

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद पर लगे कथित यौन शोषण के मामले में नया मोड़ आ गया है। शाहजहांपुर के एक शख्स ने दावा किया है कि आशुतोष पांडेय ने उससे अविमुक्तेश्वरानंद पर आरोप लगाने का बात कही थी। कहा था कि अगर वह ऐसा करता है तो उसे अच्छा रुपया देगा। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद पर बच्चों के कथित यौन शोषण के आरोप के मामले में शाहजहांपुर के एक व्यक्ति ने नया खुलासा किया है। उसका दावा है कि आशुतोष पांडेय ने अविमुक्तेश्वरानंद पर आरोप लगाने के लिए उससे संपर्क साधा था। उसने बताया कि तीन अंजान लोगों ने आशुतोष से फोन पर बात कराई थी। जिसमें अच्छा रुपया मिलने व कहीं सेटल हो जाने की बात कही थी।शाहजहांपुर शहर के एक मोहल्ले में रहने वाले व्यक्ति के अनुसार, 18 फरवरी की शाम को सुभाषनगर रिंग रोड पर तीन अंजान लोगों ने पिता का नाम लेकर बातचीत शुरू की थी। फिर एक काम करने के बदले अच्छे-खासे रुपये देने का लालच दिया। पीड़ित के अनुसार, उसने काम पूछा तो एक व्यक्ति ने कॉल कर आशुतोष पांडेय से बातचीत कराई। आशुतोष ने पीड़ित के पिता का नाम लेते हुए उनके निधन पर नहीं आ पाने पर दुख जताया था। इसके बाद कहा कि दंडी बाबा बहुत परेशान कर रहा है। बच्ची ले जाकर अविमुक्तेश्वरानंद पर काशी या बद्रीनाथ आश्रम में जाने के दौरान आरोप लगाए। इसके बदले में इतना रुपया मिलेगा, जिससे वह दूसरी जगह आराम से रहने लगेगा। पीड़ित ने बनारस जाकर अविमुक्तेश्वरानंद को दी जानकारी

पीड़ित ने रुपयों के खातिर ऐसा करने से इन्कार कर दिया। इसके बाद आशुतोष पांडेय ने दूसरा विकल्प खुला होने की बात कहते हुए फोन काट दिया। इस बीच पीड़ित व्यक्ति की जानकारी में आया कि अविमुक्तेश्वरानंद पर इसी तरह का केस दर्ज कराया गया है तो उसने शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद से संपर्क साधा। इसके बाद परिवार के साथ बनारस जाकर पूरी जानकारी दी है।

संपादकीय Editorial

From the AI ?Summit to the CU

Wherever India sets foot in the exploration of a new world, the wealth of knowledge in the environment will have to be recognized. The entire world of technology, which is captivating the world, is going to be driven by AI, where a new dawn will be discovered in every aspect of life. Through the India Impact AI Summit in Delhi, the nuances of new global power, new subjects of education, new thinking abilities, and new capacities to know are being considered. The landscape of knowledge and the wonder of progress will reveal every moment in its subtlety. The role of AI in India's revolutions is still lagging behind. The practice of AI as a hub for computing and reaching gigawatt capacity is still in the testing phase, as its use is widespread at every step, from water and electricity consumption to data storage. A controversy has tarnished the image of a private university, and "AI" has become a catchphrase, a common denominator of global ridicule. The charisma of AI remains a pale reflection of India's identity compared to China and the United States, so it's worth considering how much research remains to be completed in our IITs and Triple IT research papers. While employment opportunities are being seen through the window of skill development, the path to AI will become even more difficult with its commitment. The world of comparisons supposedly empowers us, but in a country where 80 million people need the power of free rations, the challenges of progress will be exacerbated. However, AI is now a pillar of the country, the next journey of youthful ambition. Therefore, evaluation is essential, both nationally and globally, and in our own environment.

It's ironic that the issues surrounding the Himachal Pradesh House of Assembly debates seem to be far removed from the era of AI. It's a different matter that the Sukhwinder Sukhu government has attempted to advance the robotic surgery initiative, or that the subject has been included in the curriculum of some engineering colleges. But we must consider how strong the scientific foundation of Himachal's development is. Have all our universities prepared the ground for AI? The state's quantitative development of education is at a standstill, with jobs being the end product. If the relevance of our universities in the field of innovation itself reaches a dead end, how will AI strengthen its future? If the Central University of Himachal Pradesh is illuminated by AI, its school of knowledge will be strengthened; otherwise, it seems unlikely that this institution's design is fostering international thinking. The subject matter of the university's seminars is so conservative that knowledge, in the name of culture, is languishing in the minds of students. If the university is to strengthen its horoscope solely through the Sanskrit language, when will AI be planted? In any case, all Himachal's universities appear self-satisfied with their goals, wearing the same pajamas. The education hub structure that we recognized the existence of private universities a few years ago failed, with the exception of one or two, to elevate students' knowledge beyond formal degrees. Even the sole IT park built is confined to a cage. If we want to bring the entire state into the IT environment and AI, then school education must prepare children's mentality for international competition. If we transform the proposed cities of Chandigarh and Lanj into cities for IT professionals, Himachal Pradesh, with its proximity to Chandigarh on one hand and the capacity of Gaggal Airport on the other, will help usher in a new era.

AI is both an opportunity and a challenge; the world has hope for India.

This article highlights the significance of the AI ??Impact Summit held in Delhi. Prime Minister Modi presented a "human" vision for human-centered, accountable AI. India is investing heavily in AI, attracting global companies, and becoming a major market. Despite opportunities in various sectors, concerns have been raised about the dominance of foreign companies, data ownership, and the need for strong regulation and education to address potential challenges and misuse. PM Modi presented a "human" vision for AI. India is attracting global companies by investing in AI. The need for AI regulation, education, and data security is crucial. The AI ??Impact Summit held in Delhi garnered worldwide attention, highlighting its importance. Compared to the three previous global AI summits, this summit was significantly more significant due to its greater participation, including AI leaders, heads of government, industry representatives, and others. In his address at this conference, Prime Minister Modi attempted to provide a new direction for the use of AI technology, emphasizing the need to transform AI from machine-centered to human-centered, while also making it accountable, safe, democratic, and inclusive. Prime Minister Modi, while outlining India's priorities for AI, also offered a vision to the global community, which he termed MANAV (Manav). He defined it as M for Moral and Ethical, A for Accountable, N for National Sovereignty, A for Accessible and Inclusive, and V for Valid and Legitimate. This implies that AI should be ethical and accountable, with data that is accessible to all, valid and authentic, while ensuring the rights of all. Since India sees a future in AI, the Indian government is encouraging investment in AI and is striving to have AI companies from around the world work with India. This AI conference made it clear that major AI companies are impressed by India's technological capabilities. They see India as both a major market and a source of human resources. After the United States, ChatGPT has the largest number of users in India. It is used by everyone from students to business leaders. The number of users of ChatGPT and other AI tools in India is rapidly increasing. One reason for this is that the government is also promoting the use of AI tools. It is striving to use AI in education, healthcare, agriculture, industry, governance, and many other sectors. It is good that India is recognizing the importance of AI. This budget announced that the government will form a committee to review the impact of artificial intelligence on the service sector. Furthermore, the Finance Minister announced a new initiative called "Bharat Vistaar," which will be an AI-based multilingual system for farmers. The Economic Survey presented before the budget also considered AI as an economic strategy. It is clear that just as India is among the leading countries in internet usage, it will soon be at the forefront of AI use as well. However, it should be noted that most AI companies are American and are gaining dominance in India. This raises the question of whether these American companies, in their efforts to strengthen their AI modules using Indian data, will share India's economic profits, and if so, how? Will Indian data remain in India and be under India's jurisdiction? Currently, the rapid pace of investment in AI companies is unprecedented in any other sector globally. Some experts believe that AI companies are expanding their monopoly. This monopoly is driving their stock market and investment in them. Chinese AI companies are competing with American companies to some extent, but they do not yet have the dominance of Google, OpenAI, and Meta. Currently, European and other countries are lagging behind in the development of AI technology. India is preparing to become the third largest power in the AI ??field, but this will only happen when Indian AI companies can compete with American companies. They must avoid dependence on American companies and establish their own distinct identity. India was uneasy about the way a private university presented a Chinese AI tool as its own invention during an AI conference. The Indian government must ensure that foreign AI tools are not copied in the name of AI technology development. We cannot progress by copying foreign technology and equipment. This must be understood by both the industry and educational institutions. Young people in India are using AI, but they are unaware of how it works. Similarly, many people are unaware of how to prevent its misuse. Currently, no concrete system has been established to impart accurate knowledge about AI to students. Clearly, special attention needs to be paid to the teaching of AI. The government and the industry must be vigilant to ensure that traditional jobs are not significantly threatened before new AI-based jobs are created. At the AI ??conference, India placed significant emphasis on preventing the misuse of AI, which other countries agreed to, as evidenced by the declaration signed by 86 countries. Signed, but no concrete mechanism has yet been established to prevent the misuse of AI. It cannot even be said that the declaration agreed upon by 86 countries will be properly implemented. When it is clear that the use of AI will rapidly increase in various sectors in the country, it is time to establish a solid framework for its regulation. It would be desirable to establish a regulatory body like TRAI, capable of preventing the misuse of AI technology. If this is not done, the misuse of AI could create disunity and spread confusion in society. The government must also be prepared to continuously monitor the development and use of AI technology and continuously review the AI ??system.

Atal's focus on science, a new scientific consciousness is growing in India

Atal Tinkering Labs, under the Atal Innovation Mission, are awakening scientific consciousness among children in India. These labs emphasize hands-on learning and experiments, rather than rote learning, helping students understand the principles of science, technology, engineering, and mathematics (STEM). Atal Tinkering Labs are awakening scientific consciousness among children. Students are learning science through experiments rather than rote learning. India is becoming a global hub for innovation and deep tech. Far from the hustle and bustle of India's major cities, in a district of Odisha or Chhattisgarh where mobile signals are barely available, a 14-year-old boy sits with an old cardboard box, some wires, and a cheap sensor. He's not building a toy; he's developing a machine that can send messages to his father's mobile phone when there's a nitrogen deficiency in the soil. Amidst the buzz of Zen G and the dazzling glare of generative AI, this is a picture of today's India that mainstream media often ignores. This is a picture of the Atal Innovation Mission, dedicated to fostering scientific awareness among children. Through Atal Tinkering Labs established across the country, it is creating a generation that lives science, not just memorizes it. This 10-year story isn't just about machines; it's about the confidence that has transformed India from a land of "jugaad" to a global hub of innovation. A new grammar of science education: Science education in India has been a boring burden for average students. Classrooms depicted "reflection of light" or "Ohm's law," but students with average intelligence couldn't fathom how these would change their lives. Curriculum books like "Let's Learn Science by Doing" and magazines like "Aavishkar" did arouse some interest, but entry to the laboratory was virtually forbidden except during practical periods.The laboratories that were available for the first time in high school were also such that the availability of equipment didn't deviate even an inch from the curriculum; As a result, many disinterested students focused not on learning but on securing marks in practicals with the help of a kindly lab assistant. Consequently, after passing Class 10, many students would enroll in commerce or arts streams, and among these, a significant number of girls were also students. However, the Atal Tinkering Labs have brought about fascinating changes to this entire system. Now, a culture of "do-it-yourself" exists as early as Class 6. Currently, in these more than 10,000 labs spread across schools across India, when a child commands a 3D printer or assembles a robotics kit, their hesitation about science transforms into a passionate interest. Science comes out of the pages of textbooks and dances in the palms of their hands. Here, children learn the principles of science, technology, engineering, and mathematics (STEM) not from books, but through experiments. Working with equipment, they develop curiosity, problem-solving, and creativity. Creating projects also fosters teamwork and entrepreneurial spirit. This shift, which moves students from rote learning to discovery, is the true power of science! The Expanding Scope of Deep Tech Readers who followed the AI ??Impact Summit held in New Delhi this week will underst nd that India's position in deep tech today is similar to that of software in the last decade of the twentieth century—we are on the cusp of a major explosion. Today, we talk about artificial intelligence, the Internet of Things, and blockchain. These terms may be unfamiliar to the layperson, but for India's budding scientific minds, they are everyday tools. Deep tech simply means technology based on in-depth scientific research. India is today making its mark in deep tech in fields ranging from space to defense. In the background, innovative laboratories like ATL, ISRO's Project Yuvika, and programs like Inspire-Manak, run by the Department of Science and Technology, are laying the foundation for this. In fact, when a sixth-grader understands how a sensor works and a ninth-grader builds a working satellite model, future data scientists, AI, or space engineers are being prepared, relying not on foreign knowledge but on an innate understanding of science. The Spark of Science Entrepreneurship – The most revolutionary aspect of the new generation's growing interest in science and the resulting inclination towards it is science entrepreneurship. Addressing the India-France Innovation Forum in Mumbai on Tuesday, Prime Minister Narendra Modi said that the Atal Innovation Mission connects over 100 incubators and a growing pipeline of deep-tech startups. He described Atal Tinkering Labs as a starting point at the school level, supported by mentorship, scholarships, and access to startup capital. These gems of scientific talent, honed through various hackathons, aren't just creating projects; they're also writing the blueprints for future unicorn companies. The journey from idea to patent has now become easier. NITI Aayog has established a system that connects students with incubation centers and investors if they have a truly compelling idea. These more than 10,000 labs have played a significant role in India's improved ranking on the Global Innovation Index. The world is seeing how India's teens and Young people aren't just writing code, but also dabbling in hardware and deep tech. The participation of school students in the development of ISRO's small satellites is a prime example of this. So, the next time you see your child holding a device, encourage them to think about how it works. After all, in 2047, when we celebrate the centenary of Independence, this generation will be shaping India's destiny, from earth to space, with their scientific ingenuity! Where the problem is the laboratory—often, great innovations aren't born in air-conditioned rooms, but on scorching sun and dusty roads. Rural India faces its own unique challenges—agriculture, irrigation, electricity, and health. YouTube is full of examples of how children in rural India are using their scientific ingenuity to shape the adult world. For example, Vikas, Shivam, and Dinesh from Shivpuri, Madhya Pradesh.

भाजपा नेता पर तालाब की जमीन पर कब्जे का आरोप, बेदखली की कार्रवाई शुरू, पैमाइश को पहुंची टीम

भाजपा नेता पर गिंदौड़ा गांव में सरकारी तालाब की जमीन पर कब्जे का आरोप है। प्रशासन ने शिकायत के बाद बेदखली की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। राजस्व टीम ने पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर पैमाइश कर दिया है।भाजपा नेता सिंह पर गिंदौड़ा गांव में सरकारी तालाब इस मामले में तहसीलदार ने सुनवाई के सोमवार को राजस्व विभाग ने पुलिस के की है।गिंदौड़ा गांव निवासी आशु सिंह ने को लेकर शिकायत की थी। आरोप लगाया पति राजपाल सिंह ने तालाब की जमीन पर मामले में तहसीलदार सदर की कोर्ट में तहत बेदखली की कार्यवाही करने का निर्णय डॉ. राममोहन मीना ने जांच के निर्देश जारी पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंची। टीम की प्रक्रिया पूरी की। ग्रामीणों ने आरोप कब्जा कर वहां पर वेयर हाउस बनाया गया चाहिए। भाजपा नेता राजपाल सिंह ने बताया परेशान कर रहा है। सरकारी जमीन पर पानी की निकासी के लिए अपनी जमीन से

एवं बिलारी ब्लॉक प्रमुख पति राजपाल की जमीन पर कब्जा करने का आरोप है। बाद बेदखली की कार्रवाई शुरू कर दी है। साथ मौके पर जाकर जमीन की पैमाइश जिले के अधिकारियों से तालाब की जमीन था कि भाजपा नेता और ब्लॉक प्रमुख के अवैध ढंग से कब्जा कर लिया है। इस सुनवाई की गई।इसके बाद धारा 67 के लिया गया। इस मामले में एसडीएम सदर किए। इसके बाद राजस्व विभाग की टीम ने मौके पर चिन्ह लगाने के साथ पैमाइश लगाया कि सरकारी जमीन पर अवैध है। सरकारी जमीन अतिक्रमण मुक्त होनी कि गांव का एक ग्रामीण लगातार उनको कब्जे का आरोप गलत है। उन्होंने गांव के रास्ता दिया है। राजस्व विभाग ने उस पर कार्यवाही की है। उनका मामला तहसीलदार के यहां पर चल रहा है। ग्रामीण ने भी धर्म स्थल की जमीन पर कब्जा कर रखा है। इसकी शिकायत भी ग्रामीणों ने एसडीएम से की है लेकिन अभी तक उस पर कार्यवाही नही हुई है। सभी शिकायतों पर कार्यवाही होनी चाहिए। तालाब की जमीन पर कब्जे की शिकायत थी। इस मामले में तहसीलदार सदर की कोर्ट में सुनवाई की गई है। अब धारा 67 के तहत बेदखली की कार्रवाई की जा रही है। - डॉ.राम मोहन मीणा एसडीएम एवं संयुक्त मजिस्ट्रेट सदर मुरादाबाद

छात्र बने सुपारी किलर, 5 लाख लेकर बीफार्मा और इंजीनियरिंग छात्रों ने की नन्ही की हत्या; सामने आया कारण

मुरादाबाद के मझोला थाने के पास सोमवार की शाम सात बजे प्लॉट की चौकीदारी कर रही महिला नन्हीं (55) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना के समय महिला, अपने पोते, धेवते और धेवती के साथ इफ्तारी के बाद प्लॉट के एक कोने में बने आवास के बाहर बैठी थी। चीख पुकार सुनकर महिला का बेटा और बेटी भी मौके पर आ गए। बेटे ने दौड़ाकर एक आरोपी को दबोच लिया।मुरादाबाद में महिला चौकीदार नन्ही की हत्या किसी पेशेवर इंजीनियरिंग के पांच छात्रों ने पांच लाख की सुपारी के बाद पुलिस ने रात को ही दबिश देकर उसके दो जबकि बाकी की तलाश में पुलिस दबिश दे रही है। भोजपुर और भगतपुर क्षेत्र के रहने वाले हैं और शहर कहना है कि जिस प्लॉट की नन्हीं चौकीदारी कर रही जमीन पर दूसरा पक्ष कब्जा करना चाहता था लेकिन पक्ष सफल नहीं हो पा रहा था।पकड़े गए हत्यारोपी छात्र है। इस हत्याकांड को अंजाम देने वाले भी सभी कुछ लोगों ने नन्हीं की हत्या के लिए पांच लाख रुपये उसके साथी हत्या की प्लानिंग कर रहे थे।सोमवार की और उन्होंने नन्ही की हत्या कर दी। पुलिस ने सानिब दबोच लिए हैं। उनसे पूछताछ करने के बाद अन्य की कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि कुछ लोग हिरासत रही है। प्लॉट पर कब्जे को लेकर हत्या किए जाने की विवाद की बात से इन्कार कर रहे हैं।बच्चे चीखे तो

अपराधी ने नहीं बल्कि बीफार्मा और लेकर की है। एक छात्र की गिरफ्तारी अन्य साथियों को भी पकड़ लिया है। पुलिस का कहना है कि सभी छात्र के बड़े संस्थानों के छात्र हैं। पुलिस का थी। उस पर विवाद चल रहा था। इस महिला चौकीदार होने के कारण दूसरा सानिब ने बताया कि वह बीफार्मा का बीफार्मा और इंजीनियरिंग के छात्र हैं। की सुपारी दी थी। इसके बाद से ही शाम सभी लोग मौके पर पहुंच गए से पूछताछ के बाद दो और आरोपी तलाश की जा रही है। एसपी सिटी में लिए गए हैं। उनसे पूछताछ की जा बात सामने आई है हालांकि प्लॉट स्वामी डांटकर शांत कर दिया था हमलावरों ने सरेशाम थाने के पास महिला की हत्या करने वाले हत्यारोपी एक प्लॉट में घुसे और उन्होंने चूल्हे के पास बैठी नन्हीं से पूछा इफ्तारी में क्या बनाया है। नन्हीं ने इतना ही बोला कि चावल और सब्जी बनाई है। इसी दौरान एक बदमाश ने पिस्टल निकाली और गोली मार कर दी। आवाज सुनकर बच्चे रोने लगे तो उन्हें डांट कर शांत कर दिया। शाम करीब सात बजे नन्हीं चूल्हे के पास बैठी थी। परिवार वालों ने जो पुलिस को बताया कि बच्चे खेल रहे थे। तभी चार-पांच लोग आ गए। उन्होंने दादी से पूछा क्या बनाया है। दादी ने कहा कि सब्जी और चावल बनाए हैं। इसी दौरान पिस्टल से गोली मार दी। दोनों बच्चों ने बताया कि ठांय की आवाज सुनकर वह लोग रोने लगे तो एक बदमाश उन्हें डांट कर शांत कर दिया। जबकि सायरीन कमरे में छिप गई थी।मौके पर मिली .9 बोर की बुलेट- पुलिस और फोरेंसिक टीम ने मौके पर जांच पड़ताल की और नमूने लिए। इस दौरान टीम को मौके से .9 बोर की बुलेट मिली है। जिससे साफ हो गया है कि नन्हीं को पिस्टल से गोली मारी गई थीसात साल पहले हो गई थी पति की मौत- सात साल पहले महिला के पति अब्दुल हमीद की बीमारी के चलते मौत हो गई थी। उसे पहले अब्दुल हमीद ही इसी प्लॉट में रहते थे। हत्या की जानकारी मिलने पर गांव में रहने वाला महिला का बेटा याकूब, बेटी अरमाना और अन्य परिवार के लोग और रिश्तेदार भी मौके पर पहुंच गए हैं।इंजीनियरिंग का छात्र है नन्हीं की हत्या में पकड़ा गया आरोपी- प्लॉट की चौकीदारी कर रही महिला की हत्या में पकड़ा गया आरोपी सानिब है। पूछताछ में उसने बताया कि वह भगतपुर के उदमावाला गांव का रहने वाला है। शहर के एक कॉलेज से इंजीनियरिंग कर रहा है। उसने पुलिस पूछताछ में बताया कि दूसरे लोग उसे अपने साथ लेकर आए थे।थाने के पास गोली मारकर महिला की हत्या, बेटे ने दौड़ाकर पकड़ा एक हत्यारोपी- मुरादाबाद के मझोला थाने के पास सोमवार की शाम सात बजे प्लॉट की चौकीदारी कर रही महिला नन्हीं (55) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना के समय महिला, अपने पोते, धेवते और धेवती के साथ इफ्तारी के बाद प्लॉट के एक कोने में बने आवास के बाहर बैठी थी। चीख पुकार सुनकर महिला का बेटा और बेटी भी मौके पर आ गए। बेटे ने दौड़ाकर एक आरोपी को दबोच लिया। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।घटना के पीछे प्लॉट पर कब्जे को लेकर चल रहे विवाद की बात सामने आ रही है। सिविल लाइंस के जिगर कॉलोनी निवासी पेट्रोल पंप संचालक अरमान का मझोला थाने के पास समृद्धि विहार से सटा हुआ एक प्लॉट है। कुंदरकी के ऊंचाकानी निवासी नन्हीं इस प्लॉट पर पिछले 15 साल से चौकीदारी कर रही थी। नन्हीं के पति अब्दुल हमीद की पहले ही मृत्यु हो गई थी। नन्हीं के दो बेटे महबूब और याकूब और दो बेटियां अरमाना और गुलशन हैं।अरमाना और याकूब गांव में रहते हैं जबकि महबूब अपनी पत्नी नजराना बेटे मो. आशिक के साथ इसी प्लॉट में दूसरी साइड में झुग्गी बनाकर रह रहा है जबकि गुलशन अपनी बेटी सायरीन और बेटे हसन को साथ लेकर इसी प्लॉट में रहती है। महबूब ने पुलिस को बताया कि सोमवार की शाम करीब सात बजे इफ्तारी के बाद चूल्हे के पास बैठकर खाना बना रही थी नन्हीं का पोता मो. आशिक, धेवता हसन खेल रहे जबकि धेवती सायरीन कमरे में थी।इसी दौरान चार पांच बदमाश प्लॉट में घुस आए। उन्होंने इफ्तारी में क्या बनाया है पूछा। इसी दौरान बदमाश ने पिस्टल से नन्हीं की गर्दन के पास गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद सभी बदमाश मौके से भागने लगे। इसी दौरान महबूब अपने गांव से लौट रहा था जबकि उसकी बहन गुलशन मजदूरी करने के बाद दूध लेकर आ रही थी। महबूब ने पैदल भाग रहे एक बदमाश का दूर तक पीछा किया और उसे पकड़ लिया।

आर्मी में जाकर देश की सेवा करना चाहते थे मनु और विनय

मुरादाबाद-दढ़ियाल मार्ग पर सड़क हादसे में तीन छात्रों की मौत के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। रोते-बिलखते परिजनों का बुरा हाल है। विनय शर्मा और मनु चौहान पड़ोसी थे और दोनों की इच्छा आर्मी में जाकर भारत मां की सेवा मंजूर था। परीक्षा देने जाते समय सड़क हादसे में थे और दोनों एक ही स्कूल में पढ़ते थे और दोनों का सपना आर्मी में जाने का था। आर्मी किस्मत को कुछ और ही मंजूर था और उससे बताया जाता है कि मृतक मनु की एक छोटी कारण सब को प्यारा था। सड़क हादसे में मनु गया। जबकि विनय शर्मा भी दो भाई थे बड़ा सोमवार देर शाम तक छात्रों के शव घर नहीं हर किसी की आंख को नम कर रहा है। हर के लोग और रिश्तेदार परिवार के लोगों का लगा हुआ है। कॉलेज के प्रबंधक ने कराई होने और तीन की मौत के बाद विद्यालय में छात्र परीक्षा देने सनराइज इंटर कॉलेज टांडा मौत हो गई, जबकि एक भर्ती है। सूचना सभा कराई और सुबह 9:30 बजे छुट्टी घोषित

करने की थी। लेकिन किस्मत को कुछ और ही में दोनों दोस्तो की मौत हो गई। दोनों के घर पास ज्यादातर समय एक ही साथ रहते थे। जिस कारण में जाकर देश की सेवा करना चाहते थे। हालांकि पहले ही दोनों की सड़क हादसे में मौत हो गई। बहन है। जबकि मनु चौहान अकेला भाई होने के की मौत के बाद परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट भाई टीएमयू से बीसीए की पढ़ाई कर रहा है। पहुंचे थे। कम उम्र में यूं परिवार छोड़कर चले जाना किसी की जुबान पर दर्दनाक हादसा ही है। गांव ढांढस बंधा रहे हैं, सांत्वना देने वालों का तांता शोक सभा- सड़क हादसे में एक छात्र के घायल शोक का माहौल है। कक्षा 10 में अध्ययनरत चारों जा रहे थे। रास्ते में हुए हादसे में तीन छात्रों की मिलते ही विद्यालय प्रबंधक संजीव कुमार ने शोक कर दी।यह घटना अत्यंत पीड़ादायक है। परीक्षा देने आ रहे तीन छात्रों का असमय जाना अपूरणीय क्षति है। सभी अभिभावकों से करबद्ध निवेदन करती हूं कि बच्चों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करें, बाइक पर दो से अधिक बिना हेलमेट छात्रों का बैठना जोखिम भरा और असुरक्षित है। ईश्वर शोक संतप्त परिवारों को संबल प्रदान करें। - सरताज रहमानी, प्रबंधक सनराइज इंटर कॉलेज टांडा।

संक्षिप्त समाचार

भोजपुर इलाके में मुठभेड़, गोकशी के आरोपी को लगी गोली, अन्य की तलाश जारी

भोजपुर क्षेत्र में देर रात जंगल में गोकशी की सूचना पर पहुंची पुलिस टीम पर संदिग्धों ने फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में एक आरोपी

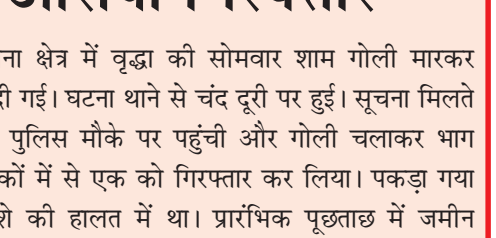

जख्मी हो गया। उसे गिरफ्तार कर अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। उसके अन्य साथी की तलाश की जा रही है। सोमवार देर रात भोजपुर पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ लोग जंगल में गोकशी की तैयारी कर रहे हैं। सूचना पर टीम ने घेराबंदी करनी शुरू कर दी। अधिकारियों ने बताया कि खुद को घिरता देख आरोपितों ने फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई के दौरान एक व्यक्ति के पैर में गोली लग गई।उसे हिरासत में लेकर उपचार के लिए भेजा। उसकी पहचान भोजपुर निवासी कमर हसन के रूप में हुई है। पुलिस का कहना है कि उसके खिलाफ पूर्व में भी गोकशी से जुड़े कई मुकदमे दर्ज हैं। घटनास्थल से एक तमंचा, कारतूस और अन्य सामान बरामद किया गया है।

चौकीदारी कर रही बुजुर्ग महिला की गोली मार हत्या, एक आरोपी गिरफ्तार

मझोला थाना क्षेत्र में वृद्धा की सोमवार शाम गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना थाने से चंद दूरी पर हुई। सूचना मिलते ही मझोला पुलिस मौके पर पहुंची और गोली चलाकर भाग रहे दो युवकों में से एक को गिरफ्तार कर लिया। पकड़ा गया आरोपी नशे की हालत में था। प्रारंभिक पूछताछ में जमीन विवाद को हत्या का कारण बताया जा रहा है। मौके पर एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह भी पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया।

कुंदरकी थाना क्षेत्र के ऊंचाकानी गांव निवासी नन्हीं पत्नी अब्दुल हमीद पिछले 15 वर्षों से तहरपुर के अरकान की दिल्ली रोड स्थित भूखंड की चौकीदारी

करती थी। वह मझोला थाने से मात्र 200 मीटर दूर अपने बेटे मेहबूब के परिवार के साथ रहती थी। सोमवार की शाम रोजा इफ्तार के बाद नन्हीं अपने बेटे के बच्चों के साथ बैठी थी, तभी दो युवक वहां पहुंचे। इनमें से एक ने तमंचा निकालकर महिला की गर्दन पर गोली मार दी।गोली की आवाज और मां की चीख सुनकर बेटा मेहबूब व पत्नी दौड़े लेकिन नन्हीं खून से लथपथ जमीन पर मृत पड़ी थी। बेटे ने शोर मचाया तो आसपास के रहने वाले लोग मौके पर जुट गए और भाग रहे युवकों में से एक को पकड़ लिया। मेहबूब ने मझोला थाने को फोन कर घटना की सूचना दी। पुलिस भीड़ से आरोपी को हिरासत में लेकर थाने ले आई। पुलिस ने महिला के शव पंचनामा भरकर जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया।मझोला थाने के प्रभारी निरीक्षक आरपी. सिंह ने बताया कि हत्या में दो युवकों का हाथ बताया जा रहा है। भीड़ ने एक को मौके पर पकड़ लिया था, जो नशे में धुत है। पूछताछ में वह जमीन विवाद का हवाला दे रहा है। मृतका के परिजन किसी रंजिश से इंकार कर रहे हैं। पुलिस फरार आरोपी की तलाश में दबिश दे रही है। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि महिला की हत्या की सूचना पर उन्होंने भी मौके पर पहुंचकर जानकारी ली है। मामले में उसके बेटे ने अज्ञात लोगों के खिलाफ तहरीर दी है। पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है। फरार आरोपी की तलाश में पुलिस की दो टीमें गठित कर लगा दी गई हैं।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

फाल्गुन मास के मंगलवार को श्री हरि मंदिर में उमड़ी भक्तों की भारी भीड़

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। श्री हरि मंदिर मॉडल टाऊन बरेली मे मंगलवार को भक्तों की अपार भीड़ उमड़ी। सुबह के सत्र में मंदिर के पंडित सुनील शास्त्री के द्वारा श्री हनुमान जी का विधिवत पूजन व श्रृंगार किया गया। भक्तजनों द्वारा मंगलवार को अपनी अपनी मनोकामना पूर्ति हेतु पधारते है और श्री हनुमान जी की पूजा करते है । शाम के सत्र में श्री हरि संकीर्तन श्री हरि संकीर्तन मंडल द्वारा भजनों की रसधारा बहाई गई जिस मे रवि छाबड़ा ने है दु:ख भंजन मारुति नंदन.....,संजय आनन्द ने मंगल मूर्ति राम।दुलारे.....,पंकज

नेआज मंगलवार है .....,सचिन सेठी ने कीजे केसरी के लाल .....और भाई सौरभ ने राम भी मिलेगे तुझे श्याम भी मिलेगे.....जतिन दुआ ने झूम झूम नाचे देखो भक्त हनुमान .....आदि आदि भजनों से सारा श्री हरि मंदिर प्रांगण भक्तिमय हो गया। उसके बाद सभी उपस्थित भक्तजनों द्वारा सामूहिक श्री हनुमान चालीसा का पाठ हुआ और श्री हनुमान जी की सामूहिक आरती हुई, व शयन आरती के पाश्चात्य सभी भक्तजनों में भंडारा प्रसादी का वितरण हुआ। मंदिर सचिव रवि छाबड़ा ने बताया कि सामूहिक श्री हनुमान चालीसा व आरती विगत कई वर्षों से श्री हरि मंदिर प्रांगण में हो रही है,जिस में सभी आयु वर्ग में लोग सम्मिलित होते है, विशेष कर युवाओं का जागरूक होना विशेष है। आज के कार्यकम में मंदिर अध्यक्ष सुशील अरोरा,सचिव रवि छाबड़ा, अश्विनी ओबेरॉय,संजय आनन्द,गोविंद तनेजा,रंजन कुमार,अतुल कपूर,हरीश लुनियाल, राजेश अरोरा,गिरीश आनन्द,वा अन्य सदस्य उपस्थित रहे। महिला मंडल अध्यक्ष रेनू छाबड़ा भी अपनी टीम के साथ शामिल रही। युवा मंडल के सदस्यों ने प्रसाद वितरण की सेवा की। समापन पर मंदिर सचिव रवि छाबड़ा ने सभी भक्तजनों का आभार व्यक्त किया और सभी भक्तजनों को भंडारा प्रसाद वितरण किया गया।

वन मंत्री ने किया स्वदेशी गौवंश आनुवंशिकी एवं जीनोमिक्स सेंटर का उद्घाटन

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। उत्तर प्रदेश के पशुधन एवं डेयरी क्षेत्र को वैज्ञानिक मजबूती देने की दिशा में बरेली स्थित बी.एल. कामधेनु परिसर में स्वदेशी गौवंश आनुवंशिकी एवं जीनोमिक्स हेतु इंटीग्रेटेड सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का उद्घाटन किया गया। उद्घाटन प्रदेश के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अरुण कुमार सक्सेना ने किया।करीब 25 एकड़ में विकसित इस एकीकृत केंद्र में अत्याधुनिक आईवीएफ-ईटी (इन विट्रो फर्टिलाइजेशन-एम्ब्रियो ट्रांसफर) लैब, आधुनिक पैथोलॉजी परीक्षण प्रयोगशाला तथा जीनोमिक विश्लेषण की सुविधाएँ स्थापित की गई हैं। इन तकनीकों के माध्यम से नस्ल सुधार, रोगों की शीघ्र पहचान और उच्च गुणवत्ता वाली स्वदेशी नस्लों के तीव्र संवर्धन को बढ़ावा मिलेगा।कार्यक्रम में ब्राजीलियन एसोसिएशन ऑफ जैबू ब्रिडर्श के प्रतिनिधिमंडल ने भी केंद्र का निरीक्षण किया और भारत-ब्राज़ील के बीच पशु आनुवंशिकी क्षेत्र में सहयोग पर सकारात्मक चर्चा की। अपने संबोधन में मंत्री श्री सक्सेना ने कहा कि यह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के '360 डिग्री' समग्र विकास दृष्टिकोण से प्रेरित है, जिसमें पशुधन, जैव विविधता और सतत ग्रामीण विकास को एकीकृत किया गया है।विशेषज्ञों का मानना है कि यह केंद्र स्वदेशी गौवंश संरक्षण, उत्पादन वृद्धि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध होगा।

योगी सरकार की जीरो टॉलरेंस अपराध के तहत, डीएम ने आठ अपराधियों को किया जिला बदर

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली, । जिला मजिस्ट्रेट अविनाश सिंह द्वारा प्रदेश सरकार की अपराध के विरुद्ध जीरो टालरेंस नीति के तहत उ0प्र0 गुण्डा नियंत्रण अधिनियम के अंतर्गत माह फरवरी 2026 में विभिन्न अभियुक्तों को जिला बदर किया गया। जिला बदर होने वाले अपराधियों में निम्न अपराधी शामिल हैं, सरकार बनाम विकास राठौर थाना इज्जतनगर वाद संख्या ष्ट202512130001667 को धारा-3 (1) उ0प्र0 गुण्डा अधिनियम के अंतर्गत जिला बदर किया गया। सरकार बनाम इमरान थाना बहेड़ी वाद संख्या D202512130000654 तथा सरकार बनाम परवेज मलिक थाना बहेड़ी वाद संख्या D202512130002449 को धारा-3 (1) उ0प्र0 गुण्डा अधिनियम के अंतर्गत जिला बदर किया गया। सरकार बनाम जुनैद थाना बारादरी वाद संख्या D202512130000484, सरकार बनाम विशाल थाना बारादरी वाद संख्या D202512130001579, सरकार बनाम टिन्कू राठौर थाना बारादरी वाद संख्या D202512130002459, सरकार बनाम सौरभ राठौर थाना बारादरी वाद संख्या D202512130002460 तथा सरकार बनाम मो0 रजा उर्फ लल्ला गद्दी थाना बारादरी वाद संख्या D202512130002461 को धारा-3 (1) उ0प्र0 गुण्डा अधिनियम के अंतर्गत जिला बदर किया गया।

होलाष्टक हुए शुरू, अब शुभ कार्य रहेंगे वर्जित. तीन मार्च को होगी फाल्गुन पूर्णमा

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। होली से आठ दिन पूर्व होलाष्टक लगते हैं, इस बार मंगलवार से होलाष्टक लगे है। होलाष्टक फाल्गुन मास शुक्ल पक्ष की अष्टमी को मंगलवार प्रात: 7ः01 से शुरू हुआ। जो बुधवार को सूर्योदय से पूर्व सुबह 4ः50 बजे समाप्त होगा। इस बार क्षय तिथि अष्टमी मंगलवार को ही रही। तीन मार्च को फाल्गुन पूर्णिमा है। ज्योतिषाचार्य पंडित ध्रुब कुमार निर्भीक ने बताया, पौराणिक एवं धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दौरान विशेष उपाय करने से जीवन में सुख, समृद्धि और उन्नति प्राप्त होती है। इस अवधि में सभी शुभ कार्य वर्जित माने जाते हैं। अष्टमी तिथि को चंद्रमा, नवमी को सूर्य, दशमी को शनि, एकादशी को शुक्र, द्वादशी को गुरु, त्रयोदशी को बुध, चतुर्दशी को मंगल और पूर्णिमा की राहु उग्र अवस्था में रहते हैं। जिसके कारण ग्रहों की ऊर्जा काफी नकारात्मक रहती है, जिसका प्रभाव व्यक्ति के सोचने-समझने पर भी पड़ता है। ग्रहों की प्रतिकूलता के कारण ही विवाह, मुंडन, गृह प्रवेश, यज्ञोपवीत संस्कार, भूमि पूजन, भूमि-भवन का क्रय-विक्रय और नवीन कार्य आदि वर्जित माने जाते हैं। नवविवाहिताओं को ससुराल में पहली होली देखने की मनाही नवविवाहिता को होलाष्टक से पहले ही मायके बुला लिया जाता है। वहीं, वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी होलाष्टक के वातावरण में जीवाणु व विषाणु ज्यादा सक्रिय हो जाते हैं। तापमान में भी वृद्धि से इस मौसम में शरीर पर सूर्य की पराबैगनी किरणें विपरीत असर डालती हैं। होलिका दहन के दौरान निकलने वाली अग्नि शरीर के साथ ही आस-पास के बैक्टीरिया और नकारात्मक ऊर्जा को खत्म कर देती है। पूजा पाठ का मिलता है विशेष फल होलाष्टक के दौरान पूजा पाठ से विशेष पुण्य फल की प्राप्ति होती है। इस दौरान जगतपति भगवान विष्णु की पूजा आराधना करनी चाहिए। सामर्थ्य के अनुसार दान पुण्य आदि का फल भी कई गुना अधिक मिलता है। होलाष्टक के दौरान अपने आराध्य इष्ट देव और कुल देवता की पूजा जरूर करनी चाहिए ।

होलिका दहन स्थलों पर लगेंगे सीसीटीवी कैमरे, भीड़ वाले स्थानों पर होगी ड्रोन से निगरानी

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। इस बार पुलिस ने होली के त्योहार को शांतिपूर्वक तरीके से संपन्न कराने के लिए तैयारियां तेज कर दी हैं। एसएसपी अनुराग आर्य ने ऑनलाइन मीट में थानेदारों व अधिकारियों को होलिका दहन स्थलों से लेकर होली जुलूसों तक खास निगरानी बरतने का निर्देश दिया है। एसएसपी अनुराग आर्य ने अधीनस्थों से कहा कि सभी होलिका दहन स्थलों व होली जुलूस निकलने वाले प्रमुख मार्गों का स्थलीय भ्रमण कर लिया जाए।

होलिका दहन स्थलों पर सीसी कैमरों से निगरानी व्यवस्था की जाए। एसएसपी ने होली से संबंधित पूर्व में दर्ज विवादों की सूची तैयार कर उनकी वर्तमान स्थिति की समीक्षा व निस्तारण किया जाए। प्रमुख जुलूसों व भीड़ वाले स्थानों पर ड्रोन कैमरों से रियल टाइम निगरानी की जाए। अवैध शराब निर्माण, परिवहन व बिक्री में संलिप्त लोगों पर कार्रवाई की जाए। एसएसपी ने बताया कि आईटीएसएसओ पोर्टल पर महिला संबंधी गंभीर अपराधों की जांच व ऑनलाइन मॉनिटरिंग की जाती है। निस्तारण में लापरवाही बरतने पर थाना बिथरी चैनपुर के दरोगा अमरीश, थाना फरीदपुर के दरोगा संदीप, कोतवाली के दरोगा शिवम कुमार, थाना नवाबगंज के दरोगा योगेंद्र कुमार तथा थाना प्रेमनगर की महिला दरोगा आरती चौधरी के विरुद्ध प्रारंभिक जांच के आदेश दिए गए। थाना नवाबगंज के दरोगा अतरपाल को चेतावनी जारी की गई है।

स्मार्ट मीटर की गड़बड़ी से उपभोक्ता परेशान, किसी का बिल हुआ हजम, कुछ की बढ़ा दी रकम

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। विद्युत निगम की ओर से लगाए जा रहे स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के लिए सिरदर्द साबित हो रहे हैं। स्मार्ट मीटर किसी का बिल हजम कर जा रहा है तो कुछ उपभोक्ताओं का बिल बहुत ज्यादा आ रहा है। समस्या को लेकर उपभोक्ता विद्युत निगम का चक्कर काट रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार सुध नहीं ले रहे हैं। रोजाना रामपुर गार्डन में उपभोक्ताओं की कतार लग रही है। किसी का बेहद कम बिल आ रहा है तो कुछ लोगों को भुगतान करने के बावजूद बकाये से छुटकारा नहीं मिल रहा है। शाहदाना में नेता का ढाई महीने में महज 19 रुपये बिजली का बिल आया है। उनकी पत्नी सुबह ही विद्युत निगम में समस्या का समाधान कराने पहुंची। विद्युत निगम के सेवानिवृत्त कर्मचारी नरेंद्र सिंह ने बताया कि दिसंबर में बिल जमा किया था, लेकिन जनवरी के बिल में बकाया जोड़कर आ गया है। इसको सुधरवाने के लिए वह चक्कर काट रहे हैं। प्रेमनगर निवासी जवाहर लाल ने बताया कि पोस्ट पेड स्मार्ट मीटर लगा है। 6,500 रुपये का बिल आ गया है, जिसको समायोजित नहीं किया गया है। सीबीगंज निवासी बाबू राम मौर्य ने बताया कि उनके घर पर स्मार्ट मीटर लगने के दो घंटे बाद ही खराब हो गया। इस वजह से आठ दिनों से घर में बिजली नहीं है। वाणिज्यिक अनुभाग प्रथम के अधिशासी अभियंता ने बताया कि जिन लोगों का बिल ज्यादा आता है या मीटर में गड़बड़ी होती है, उसको चेक किया जाता है। ऐसे लोगों की लिस्ट बनाकर लखनऊ आईटी टीम को भेजी जाती है।

मुखबिर की सूचना पर अवैध रूप से भंडारित दवाओं का जखीरा पकड़ा

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली । मुखबिर की गोपनीय सूचना के आधार पर जिलाधिकारी एवं सहायक आयुक्त औषधि, बरेली मंडल, बरेली के निर्देशानुसार मंगलवार को औषधि निरीक्षक बरेली, राजेश कुमार , अनामिका अंकुर जैन ने थाना कोतवाली क्षेत्र के शास्त्री मार्केट में मेसर्स नीलू फार्मा, शास्त्री मार्केट के मालिक सत्यभान गुप्ता , अकब के बिना लाइसेंस वाले गोदाम पर छापामार कार्रवाई की गई। अवैध रूप से भंडारित एलोपैथिक औषधियों की कीमत लगभग 4 लाख 20 हज़ार रुपये है, को नियमानुसार फॉर्म-16 पर सीज कर 4 संदिग्ध नमूनों को लेकर जांच एवं विश्लेषण के लिए संग्रहित किया , जिन्हें राजकीय प्रयोगशाला में जांच के लिए भेजा जाएगा। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर विवेचना पूर्ण होने के बाद न्यायालय में परिवाद दाखिल किया जाएगा।

कैप्री गोल्ड लोन की तीसरी शाखा का हुआ भव्य शुभारंभ

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। देश की जानी मानी प्रतिष्ठित एनबीएफसी Capri Global Capital Ltd. की इकाई कैप्री गोल्ड लोन ने सिविल लाइंस सर्किट हाउस के पास में अपनी तीसरी शाखा का भव्य शुभारंभ किया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दुर्विजय सिंह शाक्य ने फीता काटकर शाखा का उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए दुर्विजय सिंह शाक्य ने कहा कि कैप्री गोल्ड लोन जैसी संस्थाएं आम जनता को त्वरित और सुरक्षित वित्तीय सहायता उपलब्ध करा रही हैं, जिससे स्थानीय व्यापार और आर्थिक गतिविधियों को मजबूती मिलती है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे अपनी वित्तीय जरूरतों के लिए विश्वसनीय संस्थानों का चयन करें। नई शाखा में ग्राहकों को कम कागजी कार्रवाई के साथ त्वरित गोल्ड लोन की सुविधा मिलेगी। कंपनी द्वारा प्रतिस्पर्धी और किफायती ब्याज दरों पर ऋण उपलब्ध कराने के साथ-साथ सोने की शत-प्रतिशत सुरक्षा की गारंटी दी जा रही है।कार्यक्रम में ज़ोनल बिजनेस हेड पंकज गुप्ता, रीजनल हेड रोहित तिवारी, एरिया मैनेजर शारिब चौधरी तथा शाखा प्रबंधक विनीत कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। कंपनी प्रतिनिधियों ने बरेली की जनता को सिविल लाइंस स्थित नई शाखा में आकर सेवाओं का लाभ उठाने का आमंत्रण दिया।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

कुर्क भूमि पर गन्ना कटान का प्रयास, पुलिस ने रोका

क्यूँ न लिखूँ सच /अरविंद कुमार / पीलीभीत / पीलीभीत। थाना न्यूरिया क्षेत्र में कुर्क की जा चुकी विवादित कृषि भूमि पर गन्ने की फसल काटने का मामला सामने आया है। ग्राम खिरका निवासी गुंचा भाटिया के पैतृक खेत (गाटा संख्या 27 व 1) में खड़ी फसल को कुछ लोगों द्वारा ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के साथ पहुंचकर काटने का प्रयास किया गया। बताया गया है कि संबंधित भूमि पर एसडीएम न्यायालय का कुर्की आदेश पूर्व से लागू है, जिसके तहत किसी भी प्रकार की खेती या कटान की अनुमति नहीं है। इसके बावजूद विरोधी पक्ष के कुछ लोग ट्रैक्टर और ट्रॉलियों के साथ खेत पर पहुंचे और गन्ना कटान शुरू कर दिया।सूचना मिलने पर प्रार्थिनी पक्ष के प्रतिनिधि मौके पर पहुंचे और घटना की वीडियो रिकॉर्डिंग की। बाद में पुलिस को सूचना दी गई। थाना न्यूरिया पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और कटान कार्य रुकवाकर स्थिति को नियंत्रित किया।पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। उपलब्ध वीडियो फुटेज और वाहन विवरण के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है। क्षेत्र में घटना को लेकर चर्चा का माहौल है।

बीसलपुर में डॉ. डी.पी. गंगवार की शिष्टाचार भेंट, विकास व जनहित मुद्दों पर चर्चा

क्यूँ न लिखूँ सच /अरविंद कुमार / पीलीभीत / डॉ. डी.पी. गंगवार (आईएमए प्रेसिडेंट इलेक्ट), समाजसेवी एवं 130 विधानसभा बीसलपुर के पूर्व प्रत्याशी ने जनपद के विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने सामाजिक और जनहित से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। डॉ. गंगवार ने संतोष गंगवार की सुपुत्री श्रुति गंगवार, चेयरमैन अर्बन कॉपरेटि बैंक से मुलाकात कर क्षेत्रीय विकास, बैंकिंग सेवाओं के विस्तार और आमजन को सशक्त बनाने जैसे विषयों पर विचार-विमर्श किया। इसके अलावा उन्होंने वरिष्ठ भाजपा नेता एवं जिला प्रभारी पीलीभीत गुलशन आनंद से भी भेंट की। बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण, किसानों के हितों तथा केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं, विशेषकर प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर चर्चा हुई।डॉ. गंगवार ने कहा कि उनका उद्देश्य जनसेवा और क्षेत्र के विकास को प्राथमिकता देना है। उन्होंने विश्वास जताया कि सामूहिक प्रयासों से पीलीभीत और बीसलपुर क्षेत्र में स्वास्थ्य, शिक्षा और कृषि के क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव संभव है।

बोर्ड परीक्षा के नाम रोपित किया गया पौधा, दिया हरित संदेश

क्यूँ न लिखूँ सच /अरविंद कुमार / पीलीभीत / बहेड़ी। केसर इंटर कॉलेज बहेड़ी में बोर्ड परीक्षा के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए एक पौधा रोपित किया गया। इस दौरान संयुक्त शिक्षा निदेशक, बरेली मंडल राकेश कुमार ने परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने द्वितीय पाली में आयोजित इंटरमीडिएट अर्थशास्त्र की परीक्षा का अवलोकन करते हुए कक्षों और पेपर स्ट्रांग रूम की जांच की।निरीक्षण के दौरान परीक्षा व्यवस्था को शांतिपूर्ण और नकलविहीन पाए जाने पर उन्होंने संतोष व्यक्त किया। केंद्र व्यवस्थापक एवं राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त प्रधानाचार्य डॉ. रवि प्रकाश शर्मा ने उनका स्वागत किया। प्रधानाचार्य ने बताया कि विद्यार्थियों की सुविधा के लिए केंद्र पर औषधि किट की व्यवस्था भी की गई है, ताकि जरूरत पड़ने पर तुरंत प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराया जा सके। इसी क्रम में केसर इको क्लब की ओर से विद्यालय परिसर में बोर्ड परीक्षा के नाम एक पौधा रोपित कर हरित संदेश दिया गया। इस अवसर पर स्टेटिक मजिस्ट्रेट अभिनव श्रीवास्तव सहित कई शिक्षक व गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

अमरिया ब्लॉक में ग्राम पंचायत विकास योजना पर प्रशिक्षण संपन्न

क्यूँ न लिखूँ सच /अरविंद कुमार / पीलीभीत / विकासखंड अमरिया में ग्राम पंचायत विकास योजना (जीपीडीपी) के अंतर्गत प्लानिंग फैसिलिटेशन टीम के सदस्यों का विकासखंड स्तरीय एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रथम एवं द्वितीय बैच में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम उपनिदेशक पंचायत महेंद्र सिंह के निर्देशन में आयोजित किया गया। उद्घाटन सत्र में प्रशिक्षक वीर सक्सेना ने प्रशिक्षण के उद्देश्य, नियम एवं अपेक्षाओं पर प्रकाश डालते हुए प्रतिभागियों का परिचय आईस ब्रेकिंग गतिविधि के माध्यम से कराया। इसके बाद प्रशिक्षक वीरपाल एवं ज्योति सिंह ने सहभागी गतिविधियों, पावर वॉक, समूह चर्चा तथा फिल्म प्रदर्शन के जरिए विकास की अवधारणा, मॉडल पंचायत, सतत विकास लक्ष्य, ग्राम पंचायत विकास योजना (जीपीडीपी) और सोशल प्लान जैसे विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान लो कॉस्ट एवं नो कॉस्ट गतिविधियों पर भी चर्चा की गई। जीपीडीपी क्या है, क्यों और कैसे तैयार की जाती है, इसके विभिन्न चरणों को फिल्म और प्रस्तुतीकरण के माध्यम से समझाया गया। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान, ग्राम पंचायत सदस्य, ग्राम पंचायत सचिव, पंचायत सहायक तथा स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने प्रतिभाग किया। प्रशिक्षण में दाई संस्था से आए जिला समन्वयक मनोज कुमार सिंह, कविता सिंह तथा सहयोगी राहुल पाल, अतुल और रत्नेश का विशेष सहयोग रहा।

फेमिली आईडी कार्ड है पूरे परिवार की एक पहचान, मोबाइल लिंक होना जरूरी

फेमिली आईडी कार्ड पूरे परिवार की एक पहचान है। यह आधार-आधारित प्रक्रिया है। जिसमें परिवार के सभी सदस्यों के आधार कार्ड और उनसे लिंक मोबाइल नंबर जरूरी है। इसके लिए प्रक्रिया निशुल्क है और माध्यम से फेमिली आईडी जा रहा है। इसके लिए आनलाइन आवेदन किया जा अलावा यदि आप खुद सकते, तो नजदीकी कॉमन केंद्र या साइबर कैफे पर जाकर हैं।फेमिली आईडी कार्ड लिए एक जरूरी दस्तावेज है। इससे कई सरकारी कार्यों में आसानी होती है। यह आधार-आधारित प्रक्रिया है, इसके लिए परिवार के सभी सदस्यों के आधार कार्ड और उनसे लिंक मोबाइल नंबर जरूरी है। इसमें उन लोगों को सहूलियत है जिनके पास राशनकार्ड हैं। उन्हें अलग से फेमिली आईडी बनवाने की जरूरत नहीं है।जिलापूर्ति अधिकारी अजय प्रताप सिंह का कहना है राशनकार्ड स्वयं में परिवार का पहचान है। जिले में फेमिली आईडी बनवाने के लिए जिम्मेदार अधिकारियों से जिलाधिकारी अनुज सिंह ने प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश दिया है। जिससे लोगों को भटकना न पड़े। ऐसे अपनाएं प्रक्रिया- फेमिली आईडी कार्ड बनवाने के लिए पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन ""Registration"" या ""Sign in to continue"" पर क्लिक करें मोबाइल नंबर और आधार का उपयोग करके पंजीकरण करें। ई-केवाईसी मुखिया का आधार नंबर डालें। आधार से लिंक मोबाइल नंबर पर आए ओटीपी को भरकर सत्यापित करें। फैमिली आईडी कार्ड बनवाने के लिए प्रदेश के आधिकारिक पोर्टल https://familyid.up.gov.in पर ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। आधार-आधारित प्रक्रिया पूरी तरह निशुल्क है। पोर्टल पर जाकर ""Registration"" या ""Sign in to continue""पर क्लिक करें ई-केवाईसी- परिवार के मुखिया का आधार नंबर डालें। आधार से लिंक मोबाइल नंबर पर आए ओटीपी को भरकर सत्यापित करें। सदस्यों को जोड़ने के लिए सदस्यों का विवरण (आधार नंबर, नाम, संबंध) जोड़ें। सभी सदस्यों का आधार ओटीपी के माध्यम से सत्यापित होना अनिवार्य है। पता और सबमिट: अपना पता दर्ज करें और फॉर्म को फाइनल सबमिट करें। वेरिफिकेशन: इसके बाद, लेखपाल या संबंधित अधिकारी द्वारा सत्यापन के बाद फेमिली आईडी जारी कर दी जाती है।अन्य जरूरी बातें राशन कार्ड यदि आप राशन कार्ड धारक हैं, तो आपका राशन कार्ड ही फैमिली आईडी होगी। - यह कार्ड सरकारी योजनाओं (जैसे- पेंशन, छात्रवृत्ति, किसान सम्मान निधि) का लाभ लेने में सहायक है।

डिप्टी सीएम बृजेश पाठक का राहुल गांधी पर हमला, बोले- दंगे करवाना चाहते हैं मोहब्बत की दुकान चलाने वाले

यूपी के उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कहा कि कांग्रेस और राहुल गांधी का मकसद देश को नीचा दिखाना है जबकि पीएम मोदी के नेतृत्व में देश आगे बढ़ रहा है।यूपी के उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कहा कि मोहब्बत की दुकान चलाने का दावा करने वाले देश में दंगे करवाना चाहते हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी देश को नीचा दिखाना चाहते हैं। कांग्रेस के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को टारगेट करना अब एक फैशन बन गया है। दिल्ली में हुई एआई समिट में दुनिया भर से प्रतिनिधि आए थे। कांग्रेस के लोगों का नग्न होकर प्रदर्शन करना देश को शर्मसार करने वाला है।उन्होंने कहा कि पीएम मोदी एआई को देश के कोने-कोने में फैलाना चाहते हैं। यही उनका विजन है जबकि कांग्रेस और राहुल गांधी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सरकार पर हर दिन आरोप लगाते रहते हैं।राहुल गांधी का मकसद झूठ बोलकर देश को नीचा दिखाना है। वो विदेशी प्रोपोगैंडा फैला रहे हैं। उनको समझना चाहिए कि सूरज पर थूकने से अपना ही चेहरा गंदा होता है। उनका एजेंडा देश की छवि को धूमिल करना है। वो विदेशी मंचों से भारत को अपमानित करते हैं। ये चीन से राजीव गांधी फाउंडेशन में फंड लेते हैं।डिप्टी सीएम ने कहा कि भारत आर्थिक जगत में सारे रिकॉर्ड तोड़ते हुए आगे बढ़ रहा है। कांग्रेस ने देश का अपमान किया है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी और अखिलेश यादव एक ही थाली के चट्टे-बट्टे हैं।

सीएम योगी बोले- सिंगापुर में मिले 1 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव, 60 हजार करोड़ के हुए MoU

मुख्यमंत्री योगी ने प्रेसवार्ता में कहा कि यूपी 2029-30 तक 1 ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी के लक्ष्य की ओर निर्णायक कदम बढ़ा रहा है। अपने दौरे के दूसरे दिन सीएम योगी ने सिंगापुर के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, उपप्रधानमंत्री, गृहमंत्री समेत शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात कीसिंगापुर दौरे पर पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सिंगापुर में टीम यूपी को लगभग ?1 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिनमें से ?60 हजार करोड़ के एमओयू 'इन्वेस्ट यूपी' द्वारा संपन्न किए जा चुके हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि यह निवेश प्रदेश को 1 ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि दुनिया आज पूरी तरह पारदर्शी हो चुकी है। निवेशकों को उत्तर प्रदेश में हो रही प्रत्येक गतिविधि की जानकारी है। यही कारण है कि कम समय में ही यूपी को इतना बड़ा निवेश प्राप्त हुआ है। नौ वर्षों में यूपी ने तेजी से किया विकास- मीडियाकर्मियों से बातचीत में मुख्यमंत्री ने बताया कि उनके साथ एक बड़ा प्रतिनिधिमंडल सिंगापुर व जापान की यात्रा पर आया है। सिंगापुर पहुंचने के बाद सुबह 8-30 बजे से देर रात तक लगातार बैठकें चलीं और दूसरे दिन भी प्रात:काल से ही कार्यक्रम जारी रहे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजनरी नेतृत्व में पिछले 11 वर्षों में भारत ने समग्र विकास के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है। उसी विजन को आगे बढ़ाते हुए उत्तर प्रदेश ने बीते साढ़े आठ-नौ वर्षों में इन्फ्रास्ट्रक्चर, लॉजिस्टिक्स, सर्विस सेक्टर और जन-कल्याण के क्षेत्रों में तेज गति से विकास किया है। आज भारत और उत्तर प्रदेश की छवि विश्व स्तर पर अत्यंत सकारात्मक रूप में देखी जा रही है।100 से अधिक शीर्ष प्रतिनिधियों से मुलाकात- मुख्यमंत्री ने बताया कि पिछले दो दिनों में उन्होंने 100 से अधिक प्रतिनिधियों से भेंट की है। सिंगापुर के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, उपप्रधानमंत्री, गृहमंत्री और ऊर्जा मंत्री के साथ भी उनकी सकारात्मक व सार्थक वार्ता हुई। इसके अतिरिक्त प्रमुख फिनटेक कंपनियों के अध्यक्ष व सीईओ के साथ भी बैठकें की गईं। कई कंपनियां पहले से भारत और उत्तर प्रदेश में निवेश कर रही हैं। सीएम योगी ने उल्लेख किया कि देश के सबसे बड़े एक्सप्रेसवे के रूप में विकसित हो रहे गंगा एक्सप्रेसवे में भी कुछ कंपनियों ने पहले से निवेश किया है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के प्रति निवेशकों की धारणा में 360 डिग्री का सकारात्मक परिवर्तन आया है। जेवर में एमआरओ और कार्गो हब की दिशा में पहल- मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल ने उन अत्याधुनिक स्थलों का भी दौरा किया, जहां सामान्य लोगों का प्रवेश कठिन होता है। विशेष रूप से शीघ्र शुरू होने वाले जेवर स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के साथ कार्गो सुविधा और एमआरओ (मेंटेनेंस, रिपेयर एंड ओवरहॉलिंग) विकसित करने के लिए सिंगापुर की दक्षता का अध्ययन किया गया। सीएम योगी ने कहा कि वर्तमान में भारत सहित विश्व के अनेक विमान अपने एमआरओ कार्यों के लिए सिंगापुर आते हैं। यह सुविधा भारत में, विशेषकर जेवर में विकसित की जा सकती है। निवेशकों ने इस विषय पर गंभीर तैयारी कर रखी है और वे उत्तर प्रदेश के साथ संभावनाओं को आगे बढ़ाने के लिए तैयार हैं। स्किलिंग मॉडल से 'एम्प्लॉयमेंट जोन' तक- मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल ने सिंगापुर के विश्वस्तरीय स्किलिंग सेंटर (आईटीई) का भी दौरा किया। उन्होंने कहा कि मुझे प्रसन्नता है कि हमने यूपी के अंदर हर जिले में स्केल को स्किलिंग में बदलने के लिए और स्किलिंग को रोजगार से जोड़ने के लिए लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल एम्प्लॉयमेंट जोन डेवलप करने की जो कार्रवाई शुरू की है, उसका यहां भी एक मॉडल देखने को हमें मिला है। सीएम ने उम्मीद जताई कि इस सेंटर के साथ भी हम इस कार्यक्रम को आगे बढ़ाएंगेटीम यूपी की सराहना, उच्चायुक्त को धन्यवाद- मुख्यमंत्री ने वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, उद्योग मंत्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी' सहित प्रतिनिधिमंडल के सभी सदस्यों और अधिकारियों की सराहना की, जो लगातार बैठकों में सक्रिय हैं। उन्होंने भारतीय उच्चायुक्त और उनकी टीम का भी विशेष आभार व्यक्त किया, जिन्होंने ट्रेड, टेक्नोलॉजी, टूरिज्म, लॉजिस्टिक्स, इन्फ्रास्ट्रक्चर, डेटा सेंटर, सेमीकंडक्टर, एमआरओ और स्किलिंग जैसे क्षेत्रों में उत्तर प्रदेश की संभावनाओं को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि सिंगापुर में हुए निवेश समझौते और प्राप्त प्रस्ताव उत्तर प्रदेश को 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य की ओर तेज गति से अग्रसर करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को मारी टक्कर, एक की मौत...दो घायल

भमरौआ गांव के पास सोमवार को सड़क हादसे में बाइक सवार अजय (22) की मौत हो गई। तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे बाइक पर सवार रितिक और बबली घायल हो गए, उनका जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है। हादसे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया। जिला अस्पताल के इमरजेंसी में डॉक्टरों ने अजय को मृत घोषित कर दिया। रितिक और बबली की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया। परिजन दोनों घायलों को तुरंत निजी वाहन से दूसरे अस्पताल ले गए, जहां उनकी हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है। थाना सिविल लाइंस इंस्पेक्टर ओमकार सिंह ने बताया कि यह हादसा एक अज्ञात ट्रक की चपेट में आने से हुआ है। मृतक अजय के शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल की मोर्चरी भिजवा दिया है। मृतक अजय के पिता बाबूराम ने बताया कि अजय अपने दोस्त रितिक और उसकी बहन बबली के साथ रिश्तेदारी में जा रहा था। रितिक की बहन को हाल ही में बच्चा हुआ था। बाबूराम ने यह भी बताया कि उन्होंने अजय को जाने से मना किया था। मृतक अजय और घायल रितिक दोनों थाना अजीमनगर क्षेत्र के हरदासपुर कोठरा गांव के रहने वाले हैं। वे गुजरात के अहमदाबाद में कपड़ा सिलाई का काम करते थे और होली की छुट्टियां मनाने अपने घर आए थे।

जेपी नड्डा ने कहा, स्वास्थ्य सेवाओं के डिजिटलीकरण से मिला लाभ, आम लोगों तक पहुंची क्रिटिकल सेवाएं

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ कराने और सब तक पहुंचाने के लिए उसका डिजिटलीकरण किया गया है। इससे अधिकतम स्वास्थ्य सेवाओं को अधिकतम लोगों तक पहुंचाने में सफलता मिल रही है। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के आने से क्रिटिकल सेवाओं को सुलभ बनाने में सहायता मिलेगी। मंगलवार को एक कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री नड्डा ने कहा कि अब तक 86 करोड़ लोगों को आयुष्मान योजना के जरिए स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ा गया है। इसी तरह ई संजीवनी जैसी सेवाएं लोगों को मदद पहुंचा रही हैं। उन्होंने कहा कि यू विन जैसी सेवाओं ने किसी बच्चे को किसी स्वास्थ्य सेवा टीका से छूटने पर अलर्ट करता है। इस सेवा के अंदर करीब 12 करोड़ लोगों को जोड़ा गया है। नड्डा ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस से कई बीमारियों को ठीक करने और उसकी शुरुआत से पहले बीमारी को पहचानने में मदद मिली है।द्ध आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस स्वयं यह बताने में सहायता करता है कि किसी मरीज में बीमारी की स्थिति क्या है, उसे इलाज की आवश्यकता है, या नहीं। इससे किसी व्यक्ति को अनावश्यक परेशान नहीं होना पड़ता। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में स्वास्थ्य सेवाओं में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का उपयोग लगातार बढ़ेगा और इससे आम लोगों को लाभ होगा।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल द्वारा सीताद्वार मंदिर में स्वच्छता अभियान

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती सशस्त्र सीमा बल की 62वीं वाहिनी, भिनगा के कमांडेंट अमरेन्द्र कुमार वरुण के निर्देशानुसार सहायक कमांडेंट राजकुमार के नेतृत्व में बलकर्मियों द्वारा जनपद श्रावस्ती स्थित पावन सीताद्वार मंदिर परिसर में विशेष स्वच्छता अभियान संचालित किया गया। अभियान के अंतर्गत मंदिर परिसर, प्रवेश मार्ग एवं आसपास के क्षेत्रों में व्यापक साफ–सफाई की गई।

एकत्रित कूड़े–कचरे का समुचित निस्तारण किया गया तथा श्रद्धालुओं एवं स्थानीय नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ बनाए रखने का संदेश दिया गया। कार्मिकों ने स्वच्छता ही सेवा की भावना के साथ सक्रिय सहभागिता निभाते हुए यह संकल्प लिया कि सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत ऐसे जनहितकारी कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाते रहेंगे। स्थानीय नागरिकों एवं श्रद्धालुओं ने भी इस पहल की सराहना की तथा भविष्य में सहयोग का आश्वासन दिया। 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, भिनगा द्वारा समय–समय पर सामाजिक सरोकार से जुड़े कार्यक्रम आयोजित कर समाज में जागरूकता, सहभागिता एवं सकारात्मक वातावरण को प्रोत्साहित किया जाता रहा है।

नटेरन: आगामी त्योहारों को लेकर शांति समिति की बैठक सरपंचों ने बैठक में अवैध शराब बिक्री रोकने की बात कही

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/ विदिशा। नटेरन। क्षेत्र में आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण और हर्षोल्लास के साथ मनाने के उद्देश्य से नटेरन पुलिस थाने में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रशासनिक अधिकारियों और क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों ने एक सुर में आपसी भाईचारे और सुरक्षा व्यवस्थाओं पर जोर दिया। होली एवं रंग पंचमी त्योहार पर किन किन ग्रामों में जुलूस एवं अन्य कार्यक्रमों की जानकारी ली दिगोनी सरपंच धीरज सिंह रघुवंशी ने शुक्रवार को न्यागोला पर पुलिस व्यवस्था करने की बात कही बैठक में मुख्य रूप से जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि यशपाल रघुवंशी नायब तहसीलदार पीयूष जैन और थाना प्रभारी मंडोलिया उपस्थित रहे। नायब तहसीलदार आनंद जैन ने कहा कि त्योहारों के दौरान अनुशासन और नियमों का पालन करना हम सबकी जिम्मेदारी है। वहीं, थाना प्रभारी ने मंदिर समितियों और ग्रामीणों से आग्रह किया कि त्योहारों के समय धार्मिक स्थलों की सुरक्षा के प्रति अतिरिक्त सजगता बरतें, क्योंकि ये स्थान अक्सर संवेदनशील होते हैं। सुरक्षा और व्यवस्था पर संवाद– गस्त में बढ़ोतरी– क्षेत्र के वरिष्ठ नागरिकों और ग्राम सेऊ एवं गुरोद सरपंच एवं अन्य सरपंचों ने अवैध शराब बिक्री एवं कुछ लोग शराब पीकर उत्पाद करते हे और ग्रामीण पुलिस को फोन लगाते हैं तो पुलिस स्टॉफ की कमी बताती हे थाना प्रभारी ने सभी को अपना मोबाइल नंबर देकर आश्वस्त किया कि त्योहारों के दौरान पुलिस की गस्त (पेट्रोलिंग ,) बढ़ाई जाएगी, ताकि आमजन निर्भय होकर पर्व मना सकें।विद्युत आपूर्ति– विद्युत मंडल के सुपरवाइजर लालेराम खेरवार को भी त्योहारों के दौरान निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।जनभागीदारी– बैठक में, क्षेत्र के सभी पत्रकार गण, आसपास की पंचायतों के सरपंच, समाजसेवी और बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने हिस्सा लिया। सभी ने प्रशासन को पूर्ण सहयोग का भरोसा दिलाते हुए शांतिपूर्ण वातावरण में त्योहार मनाने की बात कही।इस अवसर पर बालमुकुंद तिवारी बैजनाथ सिंह सरपंच धीरज सिंह अविनाश पंडित,गंगाराम धाकड़ विकेश मालवीय, ग्राम पंचायत खैराई सरपंच प्रतिनिधि अवतार सिंह उर्फ गुड्डू रघुवंशी,नटेरन उपसरपंच यशपाल रघुवंशी वीरेंद्र सिंह अखलेश रघुवंशी राजेश रघुवंशी सहित रक्षा समिति के सदस्य ग्रामीण जन मौजूद रहे

सूचना आयोग में शिकायत के बाद दिव्यांग युवक को धमकी, कलेक्टर से लगाई सुरक्षा की गुहार

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/ विदिशा। जिले के दुर्गा नगर चौराहा निवासी राहुल भदौरिया ने कलेक्टर को आवेदन देकर आजीविका मिशन कार्यालय में पदस्थ डीपीएम संजय चौरसिया पर गंभीर प्रताड़ना और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। प्रार्थी ने मामले की विभागीय जांच कराकर स्वयं एवं परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। आवेदन के अनुसार राहुल भदौरिया ने आजीविका मिशन के तहत जारी अनुदान एवं शासकीय योजनाओं की जानकारी मांगी थी। कई माह तक जानकारी न मिलने पर उन्होंने मध्यप्रदेश राज्य सूचना आयोग, भोपाल में प्रकरण दर्ज कराया। आरोप है कि इसके बाद से संबंधित अधिकारी द्वारा उनसे व्यक्तिगत रंजिश रखी जा रही है और लगातार दबाव बनाया जा रहा है कि वे सूचना आयोग में दर्ज शिकायत वापस लें। प्रार्थी ने आवेदन में उल्लेख किया है कि उन्हें कथित रूप से अपमानजनक शब्दों का प्रयोग करते हुए धमकी दी गई। राहुल भदौरिया दिव्यांग हैं और परिवार के साथ निवास करते हैं। उन्होंने आशंका जताई है कि शिकायत के चलते उनके साथ किसी अप्रिय घटना की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। कलेक्टर से की गई शिकायत में मामले की निष्पक्ष जांच, संबंधित अधिकारी पर आवश्यक कार्रवाई तथा जान-माल की सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की गई है। प्रशासन की ओर से आवेदन प्राप्त होने की पुष्टि की गई है। मामले में जांच उपरांत ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

मध्यप्रदेश शासन की अनूठी पहल: किसानों को ट्रैक्टर, बुलेट और ई-स्कूटर जीतने का मौका, 15 मार्च तक करें पंजीयन

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/ विदिशा। कृषकों के कल्याण और उन्हें नई तकनीकों से जोड़ने के उद्देश्य से वर्ष 2026 को ''कृषक कल्याण वर्ष'' के रूप में मनाया जा रहा है। इसी क्रम में प्रदेश के किसानों के लिए ट्रैक्टर, बुलेट मोटरसाइकिल, ई-स्कूटर सहित कई आकर्षक पुरस्कार जीतने का सुनहरा अवसर उपलब्ध कराया गया है। राज्य स्तरीय ईनामी प्रतियोगिता मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग, वीर भारत न्यास तथा किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की जा रही है। प्रतियोगिता के अंतर्गत प्रत्येक जिले के विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। इसमें प्रथम पुरस्कार के रूप में ट्रैक्टर, द्वितीय पुरस्कार के रूप में बुलेट मोटरसाइकिल तथा तृतीय पुरस्कार के रूप में ई–स्कूटर दिया जाएगा। इसके अलावा अन्य प्रतिभागियों को भी विभिन्न पुरस्कारों से सम्मानित किया जाएगा। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए किसानों को 222.1द्गद्गह्ल्ड्डद्धड्डह्ल्ड्डह्लठ्ठ4ड्डह्य.ष्श्द्बवेबसाइट पर ऑनलाइन पंजीयन करना होगा। पंजीयन के दौरान कृषकों को आधार कार्ड, मोबाइल नंबर सहित आवश्यक जानकारी दर्ज कर लॉगिन करना होगा। पंजीयन के बाद किसानों के लिए कृषि से संबंधित एक ऑनलाइन क्विज आयोजित की जाएगी, जिसमें 24 प्रश्न पूछे जाएंगे और प्रत्येक प्रश्न का सही उत्तर 24 मिनट के भीतर देना होगा। प्रतियोगिता में भाग लेने की अंतिम तिथि 15 मार्च निर्धारित की गई है। सभी सही उत्तर देने वाले प्रतिभागियों में से विजेताओं का चयन लॉटरी प्रणाली के माध्यम से किया जाएगा, जिससे चयन प्रक्रिया पारदर्शी और निष्पक्ष बनी रहे। इस प्रतियोगिता के माध्यम से किसानों को जागरूक करने और अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उत्कृष्ट कार्य करने वाले किसान विकास केंद्र एवं कृषि उपज मंडी को 11 हजार रुपए की नगद राशि एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।उप संचालक कृषि श्री के.एस. खपेडिया ने जिले के सभी किसानों से अपील की है कि वे इस प्रतियोगिता में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर न केवल अपने कृषि ज्ञान को बढ़ाएं, बल्कि आकर्षक पुरस्कार जीतने का अवसर भी प्राप्त करें। यह पहल किसानों को प्रोत्साहित करने और कृषि के क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने की दशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही।

संक्षिप्त समाचार

जानकी नगर मे नि:शुल्क पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती अमरेंद्र कुमार वरुण, कमांडेंट, 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, भिनगा के दिशा निर्देशन में सीमा चौकी हाकिम पुरवा के कार्यक्षेत्र अंतर्गत ग्राम जानकीनगर में नि:शुल्क पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में डॉ. इमरान खान, पशु चिकित्सा अधिकारी, राजकीय पशु चिकित्सालय सोनवा और वाहिनीं की पशु चिकित्सा टीम के द्वारा 33 पशुपालकों के 116 पशुओं का नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा आवश्यकतानुसार दवाओं का वितरण भी किया गया। शिविर में पशुपालकों को पशुओं के टीकाकरण, पोषण, स्वच्छता एवं मौसमी बीमारियों से बचाव के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। साथ ही पशुधन के संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति जागरूक किया गया। 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल द्वारा समय–समय पर इस प्रकार के जनकल्याणकारी कार्यक्रमों का आयोजन कर सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले ग्रामीणों के साथ समन्वय एवं सहयोग को सुदृढ़ किया जा रहा है। स्थानीय ग्रामीणों एवं पशुपालकों ने इस पहल की सराहना करते हुए सशस्त्र सीमा बल के प्रति आभार व्यक्त किया।

असामयिक वर्षा एवं ओलावृष्टि से हुई फसल क्षति का सर्वे कराने के निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी, जिले में 23 फरवरी 2026 को हुई असामयिक वर्षा एवं ओलावृष्टि के कारण संभावित फसल हानि के दृष्टिगत समस्त अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) को प्रभावित क्षेत्रों का त्वरित सर्वे कराने के निर्देश जारी किए गए हैं। संयुक्त कलेक्टर ने बताया कि जारी निर्देशानुसार संबंधित अनुविभागीय अधिकारी अपने–अपने क्षेत्र में फसल क्षति का सर्वे कर नेत्रांकन रिपोर्ट निर्धारित प्रारूप में आज ही कलेक्टर कार्यालय को प्रेषित करना सुनिश्चित करेंगे। यदि सर्वे उपरांत मुआवजा वितरण की स्थिति निर्मित होती है, तो आर.बी.सी. 6–4 के अंतर्गत राजस्व, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग तथा कृषि एवं उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का संयुक्त दल गठित किया जाएगा। यह संयुक्त दल जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में तीन दिवस के भीतर फसल क्षति का विस्तृत सर्वे पूर्ण करेगा।

राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान अंतर्गत जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता सम्पन्न

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी, नवाचार अंतर्गत पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से

राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान (आरजीएसए) के माध्यम से जिला स्तरीय एक दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन श्रीमंत माधवराव सिंधिया खेल स्टेडियम, शिवपुरी में प्रात: 10 बजे किया गया। प्रतियोगिता में जिले की विभिन्न टीमों ने सहभागिता की। प्रतियोगिता में शिवपुरी टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जिसे ?21,000 की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। नरवर टीम द्वितीय स्थान पर रही, जिसे ?11,000 तथा करैरा टीम तृतीय स्थान पर रही, जिसे ?5,000 की पुरस्कार राशि से पुरस्कृत किया गया। विजेता एवं उपविजेता टीमों को जिला पंचायत अध्यक्ष नेहा यादव, जिला पंचायत सीईओ विजय राज, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी नरेंद्र नरवरिया, आरजीएसए जिला परियोजना प्रबंधक महेंद्र शर्मा, जिला खेल अधिकारी के.के. खरे, जनपद पंचायत शिवपुरी अध्यक्ष हेमलता रावत एवं अन्य जनप्रतिनिधियों द्वारा पुरस्कृत किया गया। जिला पंचायत अध्यक्ष ने पारंपरिक खेलों को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि खेल भावना के विकास से खिलाड़ी जिला स्तर से अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक अपनी पहचान बना सकते हैं। जिला पंचायत सीईओ ने युवाओं से खेलों में सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया। कार्यक्रम में पूर्व विधायक प्रहलाद भारती, सांसद प्रतिनिधि राकेश गुप्ता सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर किया गया।

पंचायत सहायकों की हुंकार: समय पर मानदेय और सुविधाओं की मांग को लेकर बीडीओ को सौंपा ज्ञापन

क्यूँ न लिखूँ सच /अरविंद कुमार / पीलीभीत / पीलीभीत जिले के विकास खंड बीसलपुर की ग्राम पंचायतों में कार्यरत पंचायत सहायकों/डेटा एंट्री ऑपरेटरों ने अपनी विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर खंड विकास अधिकारी को डिजिटल कार्यों की रीढ़ बनने के बावजूद उन्हें हैं। ज्ञापन में पंचायत सहायकों ने हर माह समय से इंसेंटिव राशि का बकाया भुगतान कराने तथा मांग उठाई। इसके साथ ही कार्य निष्पादन के लिए कार्यों के अतिरिक्त अन्य गैर–जरूरी कार्यों से मुक्त भी अपील की गई। पंचायत सहायकों का कहना है योजनाओं का डेटा अपलोड, पोर्टल अपडेट और लेकिन संसाधनों की कमी और भुगतान में देरी के जिससे कार्य प्रभावित हो सकता है। ज्ञापन में चेताया

ज्ञापन सौंपा। पंचायत सहायकों ने स्पष्ट कहा कि ग्राम स्तर पर समय पर मानदेय और आवश्यक संसाधन नहीं मिल पा रहे मानदेय भुगतान सुनिश्चित कराने, पूर्व में निर्धारित प्रोत्साहन/ नियमानुसार मिलने वाले भत्तों को तत्काल लागू करने की उच्च क्षमता के मोबाइल फोन उपलब्ध कराने, विभागीय रखने और भुगतान प्रक्रिया को पारदर्शी व नियमित बनाने की कि वे ग्राम पंचायतों में ऑनलाइन प्रविष्टियां, शासन की डिजिटल मॉनिटरिंग जैसे महत्वपूर्ण दायित्व निभा रहे हैं। कारण उन्हें आर्थिक और मानसिक दबाव झेलना पड़ रहा है, गया कि यदि समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो पंचायत स्तर पर संचालित योजनाओं की गति प्रभावित हो सकती है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि सभी बिंदुओं पर तत्काल सकारात्मक कार्रवाई की जाए, ताकि ग्रामीण विकास योजनाएं सुचारु रूप से संचालित होती रहें। इस दौरान विभिन्न ग्राम पंचायतों के पंचायत सहायक मौजूद रहे और सभी ने एक स्वर में अपनी मांगों के शीघ्र निस्तारण की अपील की।

Do you reuse black online food containers? A doctor explains how this habit can be dangerous.

Reusing black online food containers can be hazardous to health. Dr. Nandita Iyer advises against reusing these containers. Black containers are often made from electronic waste, which is harmful. Chemicals leach into food when heated or microwaved. Transfer food immediately to glass/steel containers and avoid reuse. Ordering food online has become increasingly common these days. Online food often arrives packaged in black containers, and people often wash these containers and store them for later use. If you are one of them, you need to be cautious. Dr. Nandita Iyer, renowned medical nutritionist and author of "The Great Indian Thali," has issued a serious warning about these black containers. Sharing a video on the social media platform X, she explained how these containers can harm our health. Why are black containers dangerous? Made from electronic waste: The doctor explained that most black plastic containers are made by recycling electronic waste like old TVs, remotes, and PVC. These contain chemicals that are completely unsafe for food and beverages. Use of substandard plastic: The black color of the container easily conceals the substandard plastic used in its production. Hot food and microwaves pose the biggest risk. According to Dr. Iyer, when we store hot, oily, or sour food (such as curry or gravy) in these containers, chemicals and heavy metals from the container leach into our food. If you heat these containers directly in the microwave, the risk of chemical dissolution increases manifold. What is the correct way to prevent this? Along with explaining the disadvantages of these containers, Dr. Iyer also advised some simple and important changes: As soon as the food is delivered, immediately remove it from the black container and transfer it to glass or steel containers in your home. Never microwave black plastic containers or store them in your kitchen for future use. White plastic containers are considered slightly safer than black plastic containers. Many restaurants today use paper containers, but these too have a thin plastic coating. They also pose the risk of chemical release when hot food is stored in them.

Frequent neck and back pain? Learn from a neurosurgeon how screen time is the real culprit.

Screens cause poor concentration, sleepiness, and mental fatigue. Poor posture contributes to neck and back pain. Prevent this with the 20-20-20 rule, breaks, and exercise. These days, people are spending most of their time in front of screens. Whether it's office work or college assignments, everyone, from adults to children, is constantly in front of screens. However, prolonged staring at mobile, computer, or TV screens has a devastating effect on our brain and body (especially the spine). To learn more about this, we spoke with Dr. Amitabh Goyal, Principal Director of Neurosurgery at Max Super Speciality Hospital, Patparganj. Why are screens harmful? The doctor explained that spending continuous time in front of screens makes it difficult to concentrate, that the blue light from screens disrupts sleep, and that mental fatigue increases. Additionally, improper sitting posture can cause persistent neck and back pain and weaken bones. What are the effects on the brain? Impact on thinking ability: Too much screen time can fatigue the brain. This can weaken memory and make it take longer to process information. Distraction and irritability: Frequently scrolling through screens puts stress on the brain. This makes it difficult to focus on a single task, leading to increased haste and irritability. Lack of sleep: Blue light emitted from screens prevents the body from producing the sleep-inducing hormone melatonin. This leads to delayed sleep, shallow sleep, and fatigue throughout the day. Temperament changes: Excessive screen time can lead to increased stress, anxiety, and anger in people, especially children, who are unable to properly control their emotions. Effects on the Body and Spine: Neck pain (tech neck): Constantly bending down while looking at a mobile phone or laptop puts significant pressure on the neck bones, leading to neck pain and stiffness. Muscle and back strain: Sitting incorrectly causes the shoulders to hunch forward, putting pressure on the back. This can lead to severe and long-lasting back pain. Bone weakness: Sitting in one position for a long time in front of a screen weakens bone strength. This increases the risk of bone fractures at an early age. Prevent this with these methods: Every 20 minutes, look away from the screen and stare at something at least 20 feet away for 20 seconds. This gives your eyes a break. Avoid working continuously. Every 45 minutes, take a short 5-minute break, walk around, and stretch. Keep the screen at eye level so you don't have to bend your neck. Use a chair with armrests and always sit with your back straight. Exercise is essential for maintaining a strong body and bones. However, avoid strenuous gym workouts without a trainer. Turn off your mobile phone or TV immediately before bed. Instead of staring at a screen during your free time, play outside or engage in activities that require physical exertion.

Beware! Do you have Type 1.5 diabetes? Learn how it differs from Types 1 and 2.

For proper management and treatment of Type 1.5 diabetes, it's crucial to understand its characteristics. It typically occurs in adults and gradually progresses to Type 2 diabetes. Type 1.5 diabetes exhibits symptoms of both Types 1 and 2. It develops slowly in adults, and insulin is not immediately required. Thirst, fatigue, and weight loss are its main symptoms. Latent autoimmune diabetes in adults is called Type 1.5 diabetes. Due to a lack of awareness, people often mistake it for Type 1 diabetes. This leads to delays in treatment and increases the risk. In this article, we'll learn about this type of diabetes. Symptoms appear in both types. The symptoms of Type 1.5 diabetes are similar to those of both Type 1 and Type 2. Like type 1, it is an autoimmune reaction, but it occurs only in adults and progresses slowly, like type 2. This is why it is often mistaken for type 2 diabetes. Insulin is not required immediately. Since type 1.5 diabetes progresses slowly, insulin is not required immediately. Most people need insulin within five years, whereas type 1 requires insulin from the very beginning. Type 1.5 diabetes is more common in people over 30 years of age, which is much older than the age of type 1, but much lower than type 2. These are the causes: Researchers believe that type 1.5 diabetes occurs when antibodies mistakenly attack the insulin-producing cells in the pancreas. In the absence of insulin, glucose begins to accumulate in the blood, as in type 1 diabetes. These are the symptoms: Excessive thirst, sudden weight loss, feeling extremely tired, frequent urination, increased appetite, blurred vision, wounds taking longer to heal, itching or dryness on the skin. These are the treatment options. Type 1.5 diabetes is usually managed with the help of oral medicines. This depends on the control of the disease and the use of medicines. In type 1.5 diabetes, medicines need to be taken several times a day. Some doctors recommend taking insulin immediately and some doctors do not recommend taking it unless absolutely necessary.

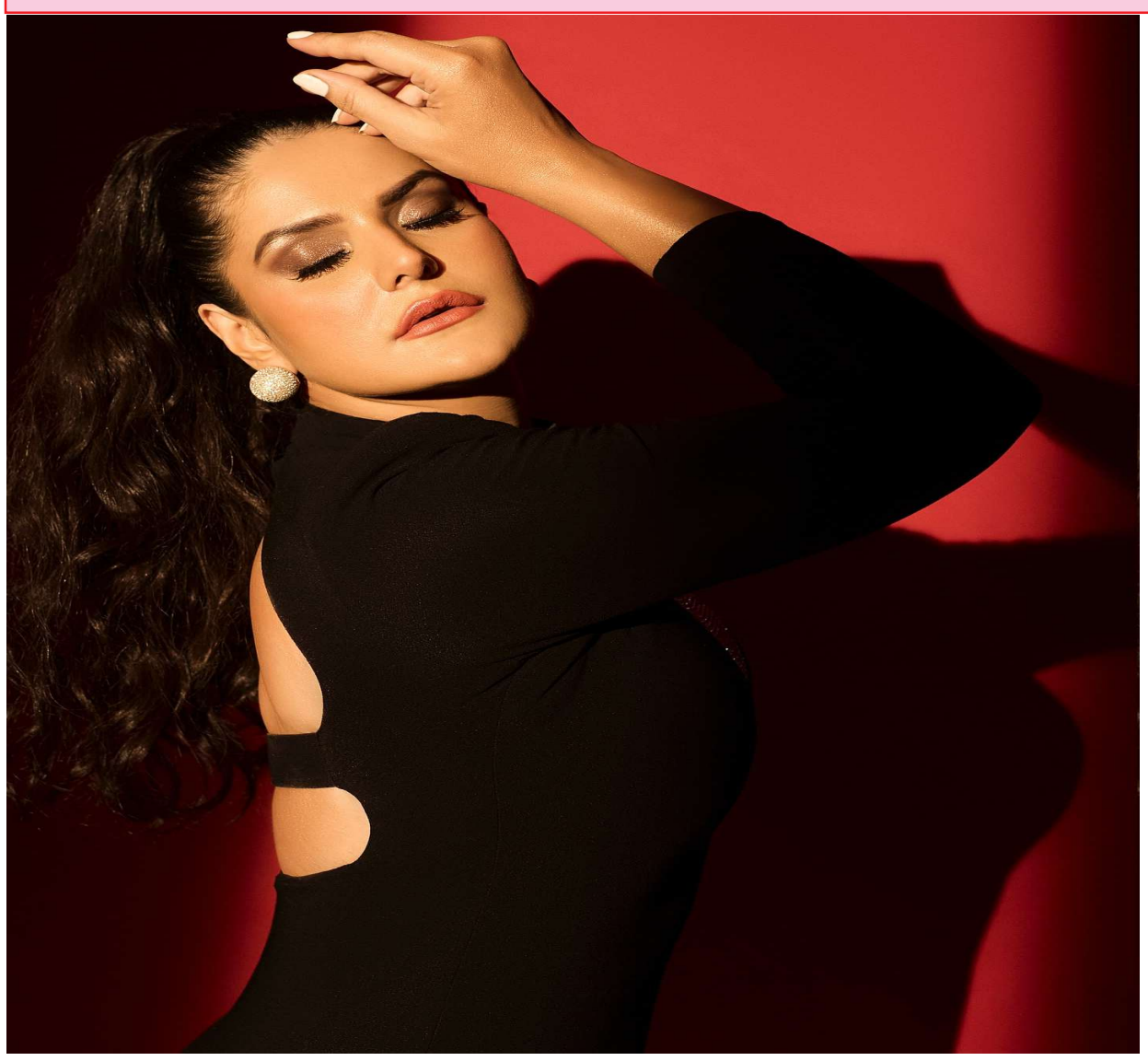

Zareen Khan's mother hospitalized, actress shares emotional post, says, "Please pray."

Zareen Khan has shared the news of her mother's re-hospitalization, leaving her fans worried. The actress wrote an emotional post on Instagram, urging everyone to pray for her mother's speedy recovery. This isn't the first time her mother has been hospitalized. Zareen Khan's mother hospitalized again; actress posts emotional post, fans pray for her recovery. Zareen Khan has once again worried her fans. The actress revealed that her mother has been hospitalized again. Zareen, who co-starred with Salman Khan in the film "Veer," wrote an emotional message on her Instagram story. She urged everyone to pray for her mother during this difficult time. She wrote, "Mom has been hospitalized again... Please pray for her!" She also added a folded hands emoji, which shows both her concern and hope. Fans started worrying. Following this message, Zareen's fans began sending well wishes and prayers for her mother's speedy recovery. Although Zareen did not provide further details about her mother's health condition or the reason for her hospitalization, it has caused concern among her close ones and fans. This is not the first time Zareen's mother has been hospitalized. Previously, in October 2025, she had announced that her mother had been hospitalized and requested fans and well-wishers to pray for her family during this difficult time. She then shared an update after her mother's recovery, writing, "Mom is much better now. Bringing her home from the hospital today. Thank you so much to everyone who sent their well wishes and prayers for her... it means a lot to me." On the work front, Zareen began her acting career with the short drama platform show "Phir Se Restart." She was last seen in 2021's "Hum Bhi Akele Tum Bhi Akele." She has also appeared in Punjabi films like "Daka" and "Jatt James Bond."

"Problem with everything..." Anurag Kashyap criticizes "The Kerala Story 2," producer gives a befitting reply

Two and a half years after Sudipto Sen's "The Kerala Story," its sequel, "The Kerala Story 2: Goes Beyond," is coming. Directed by Kamakhya Narayan Singh, the film focuses on the alleged forced religious conversion of controversy before its release, with "propaganda." In response, Kamakhya film will be released on February 27th. "nonsense." Kamakhya Narayan Singh Sudipto Sen released "The Kerala Story half years later, its sequel is coming. The Story 2: Goes Beyond." The upcoming promises to expose another poignant and Directed by National Award-winning focuses on the alleged forced religious the film: According to the producers, the legal system and is being presented with before its release, the film has become the recently criticized the project and issued Kerala Story is a rubbish film. It's one even feeds khichdi like this. This is In a video statement defending his film, would even feed khichdi to anyone like to anyone like this. But unfortunately, in

young girls. The film has already been embroiled in Anurag Kashyap calling it "nonsense" and Narayan criticized Kashyap and defended his film. The Anurag Kashyap called "The Kerala Story 2" defended the film - when will the film be released? When 2," it sparked a major debate. Now, almost two and a filmmakers are bringing a sequel, titled "The Kerala film aims to further this discussion, and the team uncomfortable truth deeply ingrained in society. filmmaker Kamakhya Narayan Singh, the sequel conversion of young girls. Anurag Kashyap criticized story is inspired by real events documented in India's an intense storyline, layered upon layer. However, even center of controversy. Filmmaker Anurag Kashyap strong comments against it. He said, "Rubbish picture. propaganda, nonsense. Who feeds beef like this? No nonsense." Kamakhya Narayan has now responded. Singh said, "Anurag Kashyap ji has said that no one this. I completely agree, no one would even feed laddus our society, our innocent daughters are being fed beef to convert their religion. This is a crime. The problem is that Anurag Kashyap ji has become mentally weak. He has a problem with everything. He has a problem with Brahmins, he has a problem with Netflix, he has a problem with the film industry. This man has a problem with everything." The film will be released in theaters on February 27. It will be released in Hindi, Kannada, and Telugu.

A 2-hour, 26-minute comedy drama is trending on Netflix, snatching the throne from a powerful actor as soon as it arrived.

A new South Indian film recently streamed online on the OTT platform Netflix, creating a stir as soon as it arrived. This comedy drama has been trending continuously for the past two weeks. The film, which continues to trend on Netflix, stars Naveen Polishetty and Meenakshi Chaudhary, and is a box office blockbuster. Every weekend, OTT releases see a slew of blockbuster films and series. Some find value on OTT after failing to achieve theatrical recognition, while others garner significant praise on both platforms. Today, we're going to tell you about a Telugu film that's also available in Hindi. Starring Naveen Polishetty and Meenakshi Chaudhary, the film released in theaters on January 14th and became a blockbuster. This comedy film was released on OTT platforms in February and has been trending on Netflix for the past two to three weeks. Initially, it overtook Dhurandhar to take the number one spot. The film is titled 'Anaganaga Oka Raju,' and let's find out its story. What is the story of the film? It is a comedy-drama that revolves around a lazy and cunning character named Raju, who once came from a wealthy family. But now he has only his loyal servants to flaunt his wealth. To maintain his lavish lifestyle, he plans to marry a wealthy woman, Charulatha. But this move backfires on him. The film proved to be a blockbuster in theaters. Released in theaters on January 14th, the film was made on a budget of ?8 crore. It performed exceptionally well at the box office, grossing over ?100 crore. It was released on Netflix on February 11th. The hit film is also trending on OTT platforms. It is directed by Maari and produced by Suryadevara Naga Vamsi and Sai Soujanya.